लखनऊ

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

मंगलवार, 15 जुलाई, 2025
वर्ष : 11 । अंक: 6
मूल्य : 1 रुपये
पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

ईमानदारी से बड़ी कोई विरासत नहीं है। ₹ विलियम शेक्सपियर

TODAY WEATHER

DAY 37° Hi | NIGHT 26° Low

संक्षेप

कांवड़ लेने जा रहे 15 लोग घायल, श्रद्धालुओं ने बताई आपबीती

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद से हरिद्वार जा रहे 15 कांवड़ यात्री घायल हो गए। यह सभी यात्री जिस गाड़ी में सवार थे, वो पेड़ से टकरा गई। घायलों को अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है। डॉक्टर ने बताया कि प्राथमिक उपचार के बाद सभी की हालत स्थिर है। घायल श्रद्धालुओं ने बताया कि ड्राइवर को नींद आने की वजह से गाड़ी असंतुलित होकर पेड़ से टकरा गई, जिससे यह हादसा हो गया। इस हादसे में एक परिवार के 10 कांवड़ यात्री भी घायल हो गए, जिन्हें अभी उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कांवड़ यात्री प्रदीप ने बताया, हम सभी कांवड़ लेने हरिद्वार जा रहे थे। तभी हमारी गाड़ी पेड़ से टकरा गई और हम इस हादसे का शिकार हो गए। इसमें करीब 10 से 15 लोग सवार थे। 10 कांवड़ यात्री ऐसे थे जो एक ही परिवार के थे। ड्राइवर को नींद आ गई। इस वजह से गाड़ी पेड़ से टकरा गई। हमारे बच्चे भी साथ थे। अभी सभी का अस्पताल में उपचार चल रहा है। हादसे में चोटिल विशाल ने बताया कि हम सभी कांवड़ लेने हरिद्वार जा रहे थे। रात के समय यह हादसा हुआ। उस वक्त मेरे भाई समेत कई लोग सवार थे। जिला अस्पताल में तैनात डॉक्टर पवन ने इस हादसे के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रात के समय में मेरी ड्यूटी लगी हुई थी, तभी मेरे पास घायल अवस्था में 15 शिवभक्त लाए गए। इसके बाद हमने उन्हें भर्ती कराया। हमने इस हादसे के संबंध में उच्च अधिकारी को भी जानकारी दी है। फिलहाल सभी घायलों की हालत ठीक है। सभी घायलों का एक्स-रे कराया जाएगा, ताकि उनके स्वास्थ्य के बारे में सही जानकारी मिल सके। फिलहाल प्राथमिक उपचार के बाद सभी की हालत ठीक है। अगर आगे किसी के लिए ऐसी स्थिति पैदा हो कि उसे दूसरे अस्पताल में भर्ती कराना पड़ जाए, तो ऐसा किया जाएगा।

आपदा में सांसद मोबाइल स्वास्थ्य सेवा मजबूती से दे रही सेवाएं: अनुराग ठाकुर

मंडी। हिमाचल के मंडी जिले में आपदा की घड़ी में सांसद मोबाइल स्वास्थ्य सेवा मजबूती से अपनी सेवाएं दे रही हैं, जिसका सैंकडों प्रभावित परिवारों को सीधा लाभ मिल रहा है। इस सेवा के साथ आपदा प्रभावितों को दवाइयां भी नि:शुल्क बांटी जा रही हैं। यह बात पूर्व केंद्रीय मंत्री और हमीरपुर संसदीय क्षेत्र से सांसद अनुराग ठाकुर ने मंडी के धर्मपुर में आपदा प्रभावित क्षेत्रों में हुए नुकसान का जायजा लेने के दौरान कहीं। रविवार को सांसद अनुराग ठाकुर ने धर्मपुर की ग्राम सेड, भदराना, तनहेड़, धर्मपुर बाजार, वनाल, स्याठी व पाड़छु पुल में आपदाग्रस्त परिवारों से मुलाकात की। इस मौके पर उन्होंने आपदा प्रभावित परिवारों को सांसद निधि से भी मदद करने की बात कही। उन्होंने राहत व पुनर्वास कार्यों को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। सांसद अनुराग ठाकुर ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि आपदा की इस घड़ी में केंद्र की मोदी सरकार पूरी तरह से प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है। मंडी जिले के विभिन्न क्षेत्रों में आई आपदा के बाद भाजपा की ओर से प्रभावितों को जरूरी सामान उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने सांसद मोबाइल स्वास्थ्य सेवा का जिक्र करते हुए कहा कि यह सेवा पिछले कई दिनों से सराज और धर्मपुर में लोगों को नि:शुल्क उपलब्ध करवाई जा रही है।

उदयपुर फाइल्स की रिलीज पर रोक के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचे फिल्म निर्माता

नई दिल्ली, एजेंसी। उदयपुर फाइल्स की रिलीज पर रोक पर के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। फिल्म निर्माता ने दिल्ली हाई कोर्ट के 10 जुलाई के आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। फिल्म निर्माता के वकील ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की और मामले को सुनवाई के लिए तत्काल सूचीबद्ध करने का अनुरोध किया। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने मामले को एक-दो दिन में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का भरोसा दिया है। वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव भाटिया फिल्म निर्माता की ओर से कोर्ट में पेश हुए।

फिल्म 11 जुलाई को रिलीज होनी थी, लेकिन इससे एक दिन पहले 10 जुलाई को दिल्ली हाईकोर्ट ने उदयपुर फाइल्स की रिलीज पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी। हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार को सिनेमा एक्ट की धारा 6 के तहत फिल्म की समीक्षा करने का आदेश दिया था। यह फैसला तीन याचिकाओं पर दिया गया था, जिनमें जमीयत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी की याचिका भी शामिल थी।

याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया था कि फिल्म सांप्रदायिक रूप से भड़काऊ है और मुस्लिम समुदाय को बदनाम करती है। वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने मौलाना अरशद मदनी की ओर से हाईकोर्ट में पक्ष रखा।

काशी से प्रयागराज तक शिवभक्तों का तांता, भोले की भक्ति में डूबा पूरा प्रदेश

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। सावन के पहले सोमवार को पूरे देश में शिवभक्ति की अलौकिक छटा देखने को मिली। उत्तर प्रदेश के काशी, प्रयागराज, गोरखपुर, महाराजगंज, जौनपुर समेत हर जिले के शिवालयों में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी।

श्रद्धालुओं ने गंगाजल से शिवलिंग का अभिषेक कर भोलेनाथ से आशीर्वाद मांगा। कई स्थानों पर वर्षों पुरानी परंपराएं निभाई गईं, तो कहीं दिव्यांग श्रद्धालुओं ने भी अपने अदम्य उत्साह से आस्था की मिसाल पेश की। वाराणसी स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर में सावन की पहली सोमवारी पर यादव समुदाय की ऐतिहासिक परंपरा निभाई गई। हजारों यादव श्रद्धालु डमरू बजाते हुए

गंगाजल से बाबा विश्वनाथ का जलाभिषेक करने पहुंचे। मान्यता है कि यह परंपरा उस समय शुरू हुई जब देश में सूखा पड़ा था और महात्माओं की सलाह पर जलाभिषेक करने से वर्षा हुई। इस बार करीब 20,000 श्रद्धालुओं ने भाग लिया। हालांकि, व्यवस्था को देखते हुए गर्भगृह में केवल 21 श्रद्धालुओं को ही प्रवेश मिला। प्रयागराज के दशाश्वमेध घाट से कांवर यात्रा पर निकले दिव्यांग श्रद्धालुओं ने आस्था की मिसाल कायम की। प्रतापगढ़ जिले से एक दिव्यांग कांवड़िया, जो दोनों पैरों से असमर्थ हैं, भोलेनाथ की भक्ति में पूरी श्रद्धा के साथ बोल बम का जयकारा लगाते हुए रवाना हुए।

भारत-नेपाल सीमा से सटे इटहियां धाम में पंचमुखी शिवलिंग पर श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया। पूर्वांचल और नेपाल से आए हजारों भक्तों की भीड़ सुबह से मंदिर में उमड़ पड़ी। करीब 300 पुलिसकर्मी सुरक्षा में तैनात रहे। मंदिर की स्थापना निचलौल स्टेट के राजा वृषभसेन द्वारा की गई थी, जब उनकी गाय नंदिनी ने एक झाड़ी पर दूध चढ़ाया और वहां पंचमुखी शिवलिंग प्राप्त हुआ। गोरखपुर के झारखंडी मंदिर, मानसरोवर मंदिर और प्राचीन मुक्तेश्वर नाथ मंदिर समेत सभी प्रमुख शिवालयों में भक्तों की लंबी कतारें देखी गईं। श्रद्धालु सुबह से ही जलाभिषेक के लिए अपनी बारी का इंतजार करते रहे।

कांवड़ यात्रियों पर हेलीकॉप्टर से फूल बरसाएगी यूपी सरकार, हर सुविधा उपलब्ध कराने की तैयारी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। सावन के प्रथम सोमवार से ही शिव भक्त कांवड़ियों ने भगवान शिव को गंगाजल अर्पित करना शुरू कर दिया है। आज हर शिव मंदिर में शिवभक्तों का तांता लगा हुआ है। इसी बीच योगी आदित्यनाथ सरकार ने हर वर्ष की भांति इस बार भी कांवड़ियों पर हेलीकॉप्टर से फूल वर्षा करने का निर्णय लिया है। सरकार ने सभी कांवड़ शिविरों में शिव भक्तों के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है।

जानकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में कांवड़ियों को

उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की समीक्षा की है। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि यह पवित्र यात्रा पूरी तरह शांतिपूर्ण, सुरक्षित और श्रद्धामय वातावरण में सम्पन्न होनी चाहिए। शासन से सुरक्षा संबंधी हर मुद्दे पर पूरी सतर्कता और चौकसी बरतने के लिए कहा गया है। कांवड़ यात्रा मार्गों पर साफ-सफाई, चिकित्सा, पेयजल, भोजनालय, विश्रामालय और शौचालयों की पूरी व्यवस्था करने के लिए कहा गया है।

कांवड़ यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए संवेदनशील और अति संवेदनशील स्थानों की पहचान कर ऐसे मार्गों की 24 घंटे सीसीटीवी से निगरानी रखने का निर्देश दिया गया है। इन मार्गों पर यूपी पुलिस ड्रोन कैमरे लगाकर निगरानी रखेगी। कांवड़ यात्रा में विघ्न डालने वालों से सख्ती से निपटने के निर्देश दिए गए हैं। यात्रा मार्गों पर पब्लिक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से जरूरी सूचनाओं का प्रचार-प्रसार किया जाएगा और इनके माध्यम से शिव भजनों का प्रसारण भी किया जाएगा।

शिव भक्तों से परेशानी क्यों: भाजपा

भाजपा प्रवक्ता एसएन सिंह ने अमर उजाला से कहा कि समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव ने जिस तरह कांवड़ यात्रा और कांवड़ियों को लेकर व्यंग्य किया है, उससे यह साफ हो जाता है कि वे हिंदू धर्म और कांवड़ियों का कितना सम्मान करते हैं। उन्होंने कहा कि स्वयं को यदुकुल का वंशज बताने वाले अखिलेश यादव का इस तरह कांवड़ियों के विरोध में बोलना दुर्भाग्यपूर्ण है।

एसएन सिंह ने कहा कि कांवड़ियों की आलोचना करने की बजाय अखिलेश यादव को उस छांगुर बाबा के खिलाफ बोलना चाहिए जो एक अंतरराष्ट्रीय गिरोह स्थापित कर हिंदू युवतियों के धर्मांतरण कराने का कुत्सित कार्य कर रहा है। लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि अखिलेश यादव ने अब तक छांगुर बाबा के खिलाफ एक भी शब्द नहीं बोला है। उन्होंने कहा कि केवल वोट बैंक के कारण ऐसे हिंदू विरोधियों के खिलाफ बोलते समय अखिलेश यादव के मुंह पर 'अलीगढ़ का बड़ा ताला' लग जाता है।

कांवड़ यात्रा के दौरान किसी भी तरह की गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी : CM रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कुछ दिन पहले शाहदरा में यात्रा मार्ग पर कांच के टुकड़े बिखरे पाए गए थे। एक कार्यक्रम में बोलते हुए, गुप्ता ने यात्रा में किसी भी तरह की बाधा उत्पन्न करने के खिलाफ चेतावनी दी और कहा कि उनकी सरकार कांवड़ियों को सुविधाएँ प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा मार्ग पर लगभग 400 मीटर तक कांच के टुकड़े बिखरे हुए पाए गए। किसी भी तरह की गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अगर कांवड़ यात्रा में कोई सुरक्षा बाधा या रुकावट पैदा की जाती है, तो संबंधित व्यक्ति को सरकार को जवाब देना होगा। एक कार्यक्रम से इतर उन्होंने कहा कि सरकार शिवभक्तों के लिए पूरी तरह सुरक्षित और आरामदायक कांवड़ यात्रा सुनिश्चित करेगी।

हरियाणा और गोवा को मिला नया राज्यपाल, कविंदर गुप्ता को बनाया गया लद्दाख का एलजी

नई दिल्ली, एजेंसी। सोमवार को जारी एक आधिकारिक सूचना के अनुसार, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रोफेसर अशीम कुमार घोष को हरियाणा का नया राज्यपाल और पुसापति अशोक गजपति राजू को गोवा का राज्यपाल नियुक्त किया है। जम्मू-कश्मीर के पूर्व उपमुख्यमंत्री कविंदर गुप्ता को लद्दाख का नया उपराज्यपाल नियुक्त किया गया है। राष्ट्रपति ने लद्दाख के उपराज्यपाल पद से ब्रिगेडियर (डॉ.) बीडी मिश्रा (सेवानिवृत्त) का इस्तीफा भी स्वीकार कर लिया है। ये नियुक्तियाँ उस तिथि से प्रभावी होंगी जिस दिन नए नियुक्त व्यक्ति अपने-अपने कार्यालयों का कार्यभार संभालेंगे। ये नियुक्तियाँ दो राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में प्रमुख संवैधानिक

पदों पर फेरबदल का संकेत हैं। आशिम कुमार घोष, जिन्होंने वरिष्ठ शैक्षणिक पदों पर कार्य किया है और उच्च शिक्षा में अपने प्रशासनिक अनुभव के लिए जाने जाते हैं, हरियाणा के राज्यपाल का पदभार ग्रहण करेंगे। वरिष्ठ राजनीतिक हस्ती और पूर्व केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री, पुष्पति अशोक गजपति राजू, गोवा में कार्यभार संभालेंगे।

'सीएम बचा रहे कुर्सी और भाजपा के मंत्री कमा रहे कमीशन...'

नई दिल्ली, एजेंसी। नई दिल्ली: कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बिहार में अपराध की कई हालिया घटनाओं को लेकर सोमवार को आरोप लगाया कि बिहार 'क्राइम कैपिटल ऑफ इंडिया' बन गया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और भाजपा को आड़े हाथों लेते हुए कहा, मुख्यमंत्री अपनी कुर्सी बचा रहे हैं और बीजेपी कोटे के मंत्री 'कमीशन' कमा रहे हैं।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि इस बार सिर्फ सरकार बदलने का नहीं, बिहार बचाने का चुनाव है। उन्होंने एक खबर का हवाला दिया जिसमें कहा गया है कि बिहार में 11 दिनों में 31 हत्याएं हुई हैं। कांग्रेस नेता ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'बिहार बना 'क्राइम कैपिटल ऑफ इंडिया' - हर गली में डर, हर घर में बेचैनी।

बेरोजगार युवाओं को हत्यारा बना रहा है गुंडाराज।' राहुल गांधी ने आरोप लगाया,'मुख्यमंत्री कुर्सी बचा रहे हैं और बीजेपी के मंत्री कमीशन कमा रहे हैं।' उन्होंने पुरजोर शब्दों में कहा, 'मैं फिर दोहरा रहा हूं कि इस बार वोट सिर्फ सरकार बदलने का नहीं, बिहार को बचाने का है।' हाल में ही कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी बिहार सरकार पर हमला बोला था। AICC अध्यक्ष ने आरोप लगाते हुए कहा, इन दोनों दलों के 'ठगबंधन' ने प्रदेश को देश की 'क्राइम कैपिटल' बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। हाल ही में पटना में कारोबारी गोपाल खेमका की हत्या के साथ ही बिहार के कुछ अन्य जिलों में भी अपराध की कई घटनाएं हुई हैं।

खरगे ने भी कानून व्यवस्था पर उठाए सवाल

मल्लिकार्जुन खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'बिहार में अवसरवादी डबल इंजन सरकार ने कानून व्यवस्था तबाह कर दी है। पिछले छह माह में आठ कारोबारियों की हत्या, पांच बार पुलिस की पिटाई हुई है। सोमवार को ही अंधविश्वास के चलते एक ही परिवार के पांच लोगों को मारा गया। मासूम बच्चों तक को नहीं बख्शा गया।'

सोनिया-राहुल गांधी की बढ़ सकती हैं मुश्किलें, नेशनल हेराल्ड मामले में कोर्ट ने फैसला रखा सुरक्षित

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने सोमवार को नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, पार्टी सांसद राहुल गांधी और अन्य के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (श्वष्ठ) की ओर से दायर अभियोजन शिकायत पर संज्ञान लेते हुए फैसला सुरक्षित रख लिया है। कोर्ट ने मामले में अगली सुनवाई की तारीख 29 जुलाई तय की है। इसी दिन यह तय किया जाएगा कि शिकायत पर अदालत संज्ञान लेगी या नहीं। प्रवर्तन निदेशालय ने इस केस में धनशोधन निवारण अधिनियम (क्कररूर) के तहत कार्रवाई करते हुए यह अभियोजन शिकायत दायर की थी। ईडी का आरोप है कि कांग्रेस नेताओं ने यंग इंडियन लिमिटेड के जरिए एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (रछ्वरु) की संपत्तियों का अवैध रूप से अधिग्रहण किया।

समाज को ऐसे लोगों की जरूरत, जो सरकार के खिलाफ याचिकाएं दायर करें, नितिन गडकरी का बयान

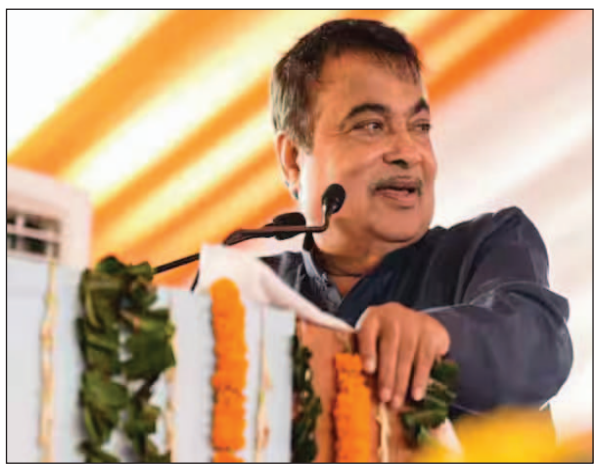

मुंबई, एजेंसी। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने लोक प्रशासन में अनुशासन सुनिश्चित करने के लिए सरकार के खिलाफ अदालती मामले दायर करने की आवश्यकता पर बल दिया है। नागपुर में स्वर्गीय प्रकाश देशपांडे स्मृति कुशल संगठक पुरस्कार समारोह में बोलते हुए, वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि अदालती आदेश से ऐसे काम हो सकते हैं जो सरकार भी नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि समाज में कुछ ऐसे लोग होने चाहिए जो सरकार के खिलाफ अदालत में याचिका दायर करें। इससे राजनेताओं में अनुशासन आता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि सरकार के मंत्री भी वह काम नहीं कर सकते जो अदालती आदेश से हो सकता है। लोकप्रिय राजनीति राजनेताओं और मंत्रियों के आड़े आती है।

गडकरी ने बताया कि इस कार्यक्रम में 'कुशल संगठक' के रूप में सम्मानित किए गए लोगों ने सरकार के खिलाफ ऐसी कई कानूनी लड़ाइयाँ लड़ीं। देश में सड़क नेटवर्क में क्रांति लाने के लिए जाने जाने वाले भाजपा नेता ने कहा कि 'कुशल संगठकों' ने शिक्षा क्षेत्र में ₹गलत₹ सरकारी फैसलों के खिलाफ कई अदालती मामले दायर किए और कई मौकों पर सरकार को अपने फैसले वापस लेने के लिए मजबूर भी किया। इससे पहले गडकरी ने रूस-यूक्रेन और इजराइल-ईरान युद्धों का हवाला देते हुए कहा कि महाशक्तियों की तानाशाही और निरंकुशता के कारण समन्वय, आपसी सद्भाव और प्रेम खत्म हो रहा है और दुनिया भर में संघर्ष का माहौल है। भारत को दुनिया को सत्य, अहिंसा और शांति का संदेश देने वाली बुद्ध की भूमि बताते हुए गडकरी ने अंतरराष्ट्रीय घटनाओं की समीक्षा और विचार-विमर्श के बाद भविष्य की नीति निर्धारित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने कहा कि ये संघर्ष ऐसी स्थिति पैदा कर रहे हैं जहां विश्व युद्ध 'कभी भी' छिड़ सकता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि युद्ध से संबंधित तकनीकी प्रगति भी मानवता की रक्षा करना कठिन बना रही है।

नीतीश सरकार पर मायावती का वार

CM की घोषणाओं को जुमलेबाजी और चुनावी छलावा करार दिया

आर्यावर्त क्रांति

लखनऊ। बसपा प्रमुख मायावती ने सोमवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के हालिया रोज़गार संबंधी वादों को महज़ बयानबाज़ी और चुनावी छलावा करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि ये घोषणाएँ बिहार में बिगड़ती कानून-व्यवस्था से ध्यान भटकाने के लिए की गई हैं और राज्य में आगामी विधानसभा चुनावों से पहले उनकी विश्वसनीयता पर सवाल उठाया। मायावती ने एक्स पर लिखा कि बिहार में क़ानून-व्यवस्था की बदहाल स्थिति की राष्ट्रीय चर्चाओं के बीच, संभवतः लोगों का ध्यान बाँटने के लिए, राज्य में एनडीए

गठबंधन की सरकार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा चुनाव बाद सरकार बनने पर अगले पाँच साल में एक करोड़ लोगों को नौकरी और रोज़गार उपलब्ध कराने की घोषणा वास्तव में लोगों को हकीकत से दूर, उनके अनुभवों के आधार पर, 'अच्छे दिन' जैसी जुमलेबाज़ी व चुनावी छलावा ज़्यादा लगता है।

मायावती ने आगे लिखा किवैसे तो विभिन्न राजनीतिक पार्टियों के चुनावी वादे, दावे, घोषणाओं व छलावों के साथ-साथ कानून-व्यवस्था व कार्यकलापों आदि को लेकर इनके चाल, चरित्र व चेहरे आदि को जनता भलीभाँति जानती है, फिर भी अपनी छल व छलावा की राजनीति की आदत से मजबूर ये विरोधी पार्टियाँ चुनाव से पूर्व इस प्रकार के अनेकों लोक लुभावने वादे करने में ज़रा भी नहीं डरती व घबराती हैं। इसी क्रम में बिहार की वर्तमान गठबंधन सरकार का नौकरी व रोज़गार का वादा इनके अन्य वादों से ज़्यादा मेल खाता है, जो जनता वास्तव में अब तक के उनके अनुभव के आधार पर जानती भी है।

बसपा प्रमुख ने कहा कि उन्होंने कहा, ''निश्चिय ही बिहार की जनता सोच-समझकर गरीब व सर्वजन हितैषी सरकार चुनेगी।'' बसपा प्रमुख ने चुनाव में गड़बड़ी की ओर संकेत करते हुए कहा, ''बशर्ते कि चुनाव बाहुबल, धनबल तथा सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग से मुक्त पूर्णतः स्वतंत्र व निष्पक्ष हो तथा सभी गरीबों, मजदूरों एवं अन्य मेहनतकश लोगों को वोट करने का सही से मौका मिले।''

मामूली बात पर 10वीं के छात्र ने की थी अनुराग की हत्या, शाहजहांपुर गुरुकुल कांड में सनसनीखेज खुलासा

आर्यावर्त संवाददाता

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर के तिलहर के गुरुकुल महाविद्यालय में कक्षा छह के छात्र अनुराग की मौत का एसओजी और थाना पुलिस ने रविवार को खुलासा कर दिया। यज्ञशाला में सोने के स्थान को लेकर हुए विवाद में विद्यालय के छात्र 18 वर्षीय रामलखन ने लात-घूंसे से अनुराग को पीटा और सिर पर भी वार किए। उस पर शक न आए, इसलिए उसी ने अनुराग के सिर, नाक-कान से खून निकलने की जानकारी साथियों व गुरुजनों को दी थी।

कन्नौज जिले के थाना छिबरामऊ के रामखेड़ा गांव निवासी ब्रजेश कुमार का बेटा अनुराग यादव गुरुकुल महाविद्यालय में कक्षा छह में पढ़ता था। सात जुलाई की रात वह

संदिग्ध हालात में यज्ञशाला में पड़ा मिला था। उसके कान व नाक से खून बह रहा था। ब्रेन हेमरेज होने की आशंका मानकर विद्यालय का स्टाफ राजकीय मेडिकल कॉलेज लेकर आया था। डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया था।

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से हुई थी सिर पर चोट की पुष्टि

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में सिर में भारी चीज से गुम चोट व हड्डी टूटी मिलने पर हत्या के बिंदु पर पुलिस ने जांच शुरू की। पुलिस ने 26 छात्र-छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण कराया। पुलिस को तलाशी में खून से सना कपड़ा और टूटे डंडे मिले थे। उसके बाद अनुराग के साथ लेटे चार साथियों पर पुलिस की शक की सुई घूमी। महत्वपूर्ण सुराग मिलने पर दो छात्रों को हिरासत में लेकर कई चरणों में पूछताछ की गई तो घटना का खुलासा हो गया।

पुलिस के अनुसार, दसवीं कक्षा में प्रवेश के लिए तैयारी करने वाले छात्र रामलखन निवासी गांव रोहनिया थाना गोला जिला लखीमपुर ने वारदात को अंजाम दिया था। अनुराग और रामलखन में यज्ञशाला में सोने को लेकर कहासुनी हो गई थी। इसी का बदला लेने के लिए रामलखन ने घटना को अंजाम दिया।

ऐसे दिया वारदात को अंजाम

रामलखन पहले बाथरूम के बहाने यह देखने गया कि कोई जाग तो नहीं रहा। लौटने पर यज्ञशाला में सभी छात्र सोए हुए थे। अनुराग से उसने किनारे होने की बात कही। इस बात को लेकर अनुराग बड़बड़ाने लगा। गुस्से में आकर रामलखन ने पैर से अनुराग के सिर पर वार किया। फिर एक हाथ से गर्दन दबाकर दूसरे हाथ से कान के पास तीन-चार घूंसे मारे। इससे अनुराग बेहोश हो गया।

अनुराग के मुंह व नाक से खून निकलने लगा। घटना के बाद वह चुपचाप जाकर अपनी चटाई पर सो गया। रात्रि साढ़े तीन बजे छात्र माधव व योगेंद्र जागे तो उन्होंने बताया कि अनुराग के मुंह से खून आ रहा है। तब उन्हें धमकाकर चुप करा दिया। बाद में उन दोनों ने साथियों को जगाया।

खून से सना लोवर बक्से में छिपा दिया था

रामलखन ने बताया कि घटना के समय पहने हुए लोवर पर अनुराग का खून लग गया था। जिसे अपने बक्से में छिपा दिया था। लोवर को धोने की योजना थी, लेकिन अवसर नहीं मिला। पुलिस ने लोअर को बरामद कर लिया है।

टीसी न होने से उसका एडमिशन नहीं हुआ था

आरोपी की खेलकूद व जिम्नास्टिक में अधिक रुचि थी। वर्ष 2025 में उसने दशमेश खालसा इंटर कॉलेज पचतौर लखीमपुर खीरी जिले से कक्षा दस की परीक्षा दी थी, जिसमें वह अनुत्तीर्ण हो गया था। आरोपी ने बताया कि वह करीब नौ माह से गुरुकुल महाविद्यालय रुद्रपुर में पढ़ाई कर रहा है। टीसी न होने की वजह से उसका एडमिशन नहीं हुआ था।

रात 11 बजे तक सिली फटी मच्छरदानी

आरोपी रामलखन ने बताया कि सात-आठ जुलाई की रात्रि वह यज्ञशाला में चटाई पर अपने साथी सुधांशु के साथ लेटा था। कक्षा सात का छात्र शिवाराज भी सोया हुआ था। जिसकी मच्छरदानी फटी हुई थी। शिवाराज के साथ मिलकर रात 11 बजे रात तक सुई-धागे से मच्छरदानी की सिलाई की। बाद में शिवाराज अपनी मच्छरदानी में लेट गया।

एसपी राजेश द्विवेदी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सिर में चोट लगने से छात्र की मौत की पुष्टि हुई थी। घटना का खुलासा करते हुए आरोपी छात्र को गिरफ्तार कर लिया गया है। छात्र ने मामूली बात पर इस घटना को अंजाम दिया।

13 घंटे बाद जिंदा मिली कोसी नदी में छलांग लगाने वाली शिक्षिका, स्टोनक्रशर वालों ने स्वजन को सौंपा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

मसवासी। कोसी पुल पर स्कूटी खड़ी कर नदी में छलांग लगाने वाली शिक्षिका नदी किनारे बेहोशी की हालत में बरामद हो गई। पुलिस और युवती के परिजन मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने शिक्षिका को उनके स्वजन को सौंप दिया है।

शनिवार को चौकी क्षेत्र के गांव पट्टी कलां के पास कोसी नदी पर बने हाइवे पुल पर एक युवती ने अपनी स्कूटी पुल पर खड़ी कर नदी में छलांग लगा दी थी। सूचना पर मसवासी चौकी पुलिस और उत्तराखंड पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की थी। पुल पर खड़ी स्कूटी और उस पर रखे बैग में युवती का आधार कार्ड व कुछ दस्तावेज मिले थे। जिनसे उसकी पहचान सुल्तानपुर पट्टी टांडा बंजारा उत्तराखंड निवासी अंजू (25) पुत्री बलवीर के रुप में हुई थी। सूचना पर पहुंचे युवती के पिता ने बताया था कि युवती शिक्षिका है जोकि जगन्नाथपुर स्थित एक स्कूल में बच्चों को पढ़ाने जाती है। शनिवार को भी वह स्कूल जाने के लिए घर से निकली थी। फिर घर वापस नहीं लौटी।

सुबह शौच को गए क्रशरकर्मियों को नदी किनारे बेहोशी की हालत में मिली

पुलिस ने गोताखोरों से युवती को तलाश कराया था लेकिन शनिवार की शाम तक युवती का कोई सुराग नहीं लग सका था। रविवार की सुबह छह बजे नीम करौली स्टोन क्रशर परिसर के पास शौच को गए कुछ कर्मियों की नजर झाड़ियों में पड़ी तो युवती अचेत अवस्था में पड़ी थी। सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और युवती को अस्पताल भिजवाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत स्थिर बताई। जानकारी पर चौकी इंचार्ज अजय शुक्ला ने बताया कि शिक्षिका नदी में क्यों कूदी, इन पहलुओं पर भी पुलिस जांच कर रही है। फिलहाल शिक्षिका को उसके स्वजन अपने साथ घर ले गए हैं।

गली-मोहल्लों में पहुंचकर डायरिया के प्रति जन जागरूकता लाएंगे प्रचार वाहन

आर्यावर्त संवाददाता

मथुरा। डायरिया के प्रति जन जागरूकता के लिए सोमवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजीव यादव ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय से प्रचार वाहनों को रवाना किया। यह प्रचार वाहन जिले के विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर समुदाय को शून्य से पांच साल तक के बच्चों में डायरिया के लक्षण, कारण और बचाव आदि के बारे में प्रचार-प्रसार करेंगे।

इस मौके पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि शून्य से पांच साल तक के बच्चों को डायरिया से सुरक्षित बनाने के लिए जनजागरूकता बहुत जरूरी है। इसी को ध्यान में रखते हुए डायरिया के प्रति जागरूकता सम्बन्धी संदेशों वाले पोस्टर-बैनर से सुसज्जित यह प्रचार वाहन जन-जन तक डायरिया से डरने नहीं बल्कि सतर्क रहने का

सन्देश पहुंचाएंगे। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि जिले में 16 जून से 31 जुलाई तक डायरिया रोको अभियान चलाया जा रहा है। डायरिया रोको अभियान में पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) और केनव्यू भी "डायरिया से डर नहीं" कार्यक्रम के माध्यम से सहयोग कर रहे हैं। अभियान की इस साल की थीम-"डायरिया की रोकथाम, सफाई और ओआरएस से रखें अपना ध्यान" तय की गयी है। अभियान का उद्देश्य बच्चों में डायरिया की रोकथाम, ओआरएस व जिंक के उपयोग को प्रोत्साहन और समुदाय में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना है।

डॉ. संजीव यादव का कहना है कि बारिश और उमस में बच्चा डायरिया की चपेट में कई कारणों से आ सकता है, जैसे- दूषित जल पीने से, दूषित हाथों से भोजन बनाने या बच्चे को खाना खिलाने, खुले में शौच करने या बच्चों के मल का ठीक से निस्तारण न करने आदि से। इसलिए शौच और बच्चों का मल साफ़ करने के बाद, भोजन बनाने और खिलाने से पहले हाथों को साबुन-पानी से अच्छी तरह अवश्य धुलें। डायरिया का सही इलाज ओआरएस का घोल और जिंक के टेबलेट हैं, जिन्हें उम्र के अनुसार निश्चित अवधि तक जरूर दें। उन्होंने कहा कि बच्चे को दिन भर में तीन या तीन से अधिक बार दस्त हो तो समझना चाहिए कि बच्चा डायरिया से ग्रसित है और ऐसे में उसको तत्काल ओआरएस का घोल देना चाहिए ताकि शरीर में पानी की कमी न होने पाए, साथ ही निकटतम स्वास्थ्य केंद्र पर संपर्क करना चाहिए। इस मौके पर एसीएमओ (आरसीएच) डॉ. आलोक कुमार, डॉ. पारुल -जिला कम्यूनिटी प्रोसेस मैनेजर, मुकेश गौतम, ओम शर्मा, पीएसआई इंडिया से चोब सिंह बघेल आदि मौजूद रहे।

विद्यालय मर्जर के विरोध में तीसरे दिन शिक्षक संघ ने ज्ञापन सौंपा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की प्रदेश इकाई के आवाह्न पर जिला सुल्तानपुर के जिला अध्यक्ष दिनेश उपाध्याय के निर्देशन में विद्यालय मर्जर/पेयरिंग के विरोध में जनपद के शिक्षक एवं संघ के पदाधिकारीयों के साथ जनप्रतिनिधियों के माध्यम से मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा आज ज्ञापन समारोह के तृतीय दिवस में सुल्तानपुर विधानसभा क्षेत्र 188 के पूर्व मंत्री एवं वर्तमान विधायक विनोद सिंह एवं इसौली विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 187 के पूर्व सांसद वर्तमान विधायक मो ताहिर खान को मर्जर पेयरिंग व्यवस्था के विरोध में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ सुल्तानपुर के जिला अध्यक्ष जिला मंत्री एवं समस्त पदाधिकारीयों, ब्लॉक के अध्यक्ष मंत्री पदाधिकारी तथा समस्त शिक्षकों के साथ मिलकर मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा। संबोधित ज्ञापन में स्पष्ट कहा गया है कि मर्जर/पेयरिंग शिक्षा अधिकार अधिनियम-2009 एवं बाल अधिकारों की भावना के सर्वथा विपरीत है। अधिनियम के अनुसार प्रत्येक बच्चे के घर से 1 किलोमीटर की परिधि में प्राथमिक विद्यालय और 3 किलोमीटर में उच्च प्राथमिक विद्यालय की स्थापना अनिवार्य है। शिक्षक संगठनों का कहना है कि सरकार मानक को ताख में रखकर प्राइवेट विद्यालयों को मान्यता देती गई, शिक्षकों से लगातार गैर शैक्षिक कार्य लेती रही, कक्षा एक में प्रवेश की उम्र 6 वर्ष कर देने से छात्र संख्या घटी है इसके लिए शिक्षक नहीं सरकार जिम्मेदार है यदि विद्यालयों को दूरस्थ स्थानों में मर्ज कर दिया गया तो गांव और गरीब परिवारों के छोटे बच्चों, विशेष रूप से बालिकाओं की शिक्षा गंभीर रूप से प्रभावित होगी। ड्रॉपआउट की संख्या में भारी वृद्धि संभावित है। यह स्थिति न केवल शिक्षा के अधिकार का हनन है बल्कि देश के भविष्य की नींव को कमजोर करने वाला कदम भी है।

संगठन सृजन अभियान को मिल रहा युवाओं का अपार समर्थन

सुल्तानपुर। जिले में चल रहे भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के सदस्यता अभियान के तहत आज 50 से अधिक छात्रों ने संगठन की सदस्यता ग्रहण की। यह आयोजन जिले में संगठन सर्जन अभियान के अंतर्गत हुआ, जिसमें युवाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस सदस्यता कार्यक्रम का नेतृत्व छैन्न सुल्तानपुर के जिला अध्यक्ष रणवीर सिंह राणा ने किया। इस मौके पर शहर अध्यक्ष शकील अंसारी, जिला कोऑर्डिनेटर संदीप त्रिपाठी, रणजीत सलूजा एवं सलाउद्दीन हाशमी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। सदस्यता लेने वाले छात्रों में मुख्य रूप सेः प्रिंस निषाद, आकाश पाल, विष्णु तिवारी, दीपांशु यादव, नीरज निषाद, चंदन निषाद, राम सिंह निषाद, आकाश यादव, शुभम निषाद, मनोज, दीपक कुमार सहित कई अन्य छात्र शामिल रहे। सभी ने कांग्रेस विचारधारा में आस्था जताते हुए संगठन को मजबूत करने का संकल्प लिया। शहर अध्यक्ष शकील अंसारी ने कहाः "आज के युवाओं में बदलाव की ऊर्जा है।

कंधे पर सेना वाले सितारे, रौबदार चेहरा...देखकर फिदा हो गईं 25 लड़कियां, तेलंगाना के शख्स ने कैसे की लाखों की ठगी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

वाराणसी। तेलंगाना के एक शख्स को उत्तर प्रदेश की पुलिस ने वाराणसी से गिरफ्तार किया है, जो मैट्रिमोनियल साइट पर फर्जी प्रोफाइल बनाकर लड़कियों को अपने जाल फंसाता था और उनसे ठगी करता था। पिछले 6 सालों में ये शख्स करीब 25 लड़कियों को धोखा दे चुका है। इसके साथ ही इन महिलाओं से करीब 40 लाख की भी ठगी कर चुका है। लेकिन अब जब एक महिला ने उसके खिलाफ केस किया तो उसका पर्दाफाश हो गया।

ठगी करने वाले शख्स की पहचान दयाली उप्पल के रूप में हुई है, जो तेलंगाना के पेडापल्ली का रहने वाला है। वह अपने आप को आर्मी ऑफिसर बताता था। पुलिस ने उसके पास से सेना की वर्दी, नकली नेमप्लेट और सेंट्रल पुलिस फोर्स की फर्जी आईडी कार्ड बरामद किए। उसके पास मेजर अमित और मेजर जोसेफ के नाम से नकली आईडी कार्ड थे। दयाली उप्पल को पुलिस

ने थाना चितईपुर से गिरफ्तार किया।

25 महिलाओं को धोखा देकर ठगी की

दयाली उप्पल ने न सिर्फ 25 महिलाओं को धोखा देकर ठगी की। बल्कि तीन महिलाओं से उसने खुद को सेना का अधिकारी बताकर शादी भी कर ली थी। इन्हीं में से एक वाराणसी की रहने वाली महिला ने उसके खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई और बताया कि उसने अपने आप को सेना का अधिकारी बताया और उससे शादी की, जब महिला ने शादी को रजिस्टर कराने के लिए डॉक्यूमेंट्स मांगे तो उसकी पोल खुल गई।

कुछ नकली आईडी कार्ड बरामद किए गए

दयाली उप्पल मैट्रिमोनियल साइट पर कंधे पर सेना के सितारे और रौबदार चेहरे के साथ फोटो लगाता था, जिसे देखकर लड़कियां फिदा हो जाती थीं। वह लड़कियों से अपने आप को आर्मी का ऑफिसर बताता था। पुलिस ने बताया कि उसके पास से NIA, प्रादेशिक सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस समेत केंद्रीय पुलिस बलों के भी कुछ नकली आईडी कार्ड मिले हैं। जब उससे पूछताछ की गई तो उसने बताया कि वह मैट्रिमोनियल साइट पर अलग-अलग लड़कियों से कॉन्टेक्ट करता था। फिर उन्हें अपने प्यार के जाल में फंसाता था और मोटी रकम लेता था।

कई राज्यों की महिलाओं को जाल में फंसाया

वाराणसी की जिस महिला ने उसके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। उससे दयाली उप्पल ने 5 साल पहले शादी की थी। इस दौरान उसने महिला से 6 लाख रुपए ठगे थे। इसके साथ ही उसने ये भी बताया कि वह उत्तराखंड, पंजाब, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और उत्तराखंड की महिलाओं को फंसाया था। उसने एक नकली पिस्तौल भी खरीदी थी, जिससे की उस पर किसी को शक न हो।

लेखपाल की हृदयविदारक मौत पर प्रशासन के विरुद्ध आक्रोश

सुल्तानपुर/बल्दीराय। जनपद हापुड़ में लेखपाल सुभाष मीणा की दुःखद एवं हृदयविदारक मृत्यु के मामले में प्रशासन के उच्च अधिकारियों के खिलाफ प्रदेशभर के लेखपालो में भारी आक्रोश फैलता जा रहा है। जिला अधिकारी के कथित दमनात्मक और अपमानजनक व्यवहार से तनावग्रस्त होकर लेखपाल की मौत के विरोध में उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ तहसील बल्दीराय इकाई ने तहसील प्रांगण में धरना दिया पश्चात इसके मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संबोधित ज्ञापन तहसीलदार को सौंपा है। लेखपाल संघ के अध्यक्ष एवं मंत्री ने संयुक्त रूप से तहसीलदार देवानन्द तिवारी बल्दीराय के माध्यम से भेजे गए ज्ञापन में मांग की है। गौरतलब है कि ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि वर्तमान में कई प्रशासनिक अधिकारी पब्लिसिटी की होड़ में अधीनस्थों को सार्वजनिक रूप से अपमानित करते हैं, जिससे कर्मचारियों में मानसिक तनाव, अवसाद और असुरक्षा का वातावरण बन रहा है।

सावन का पहला सोमवार: बरेली में आधी रात के बाद शिवालयों में गूंजा हर-हर महादेव, जलाभिषेक के लिए लगी कतार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बरेली। बरेली में सावन के पहले सोमवार पर भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए रविवार शाम से ही कांवड़ियों के जत्थे कछला और हरिद्वार से जल लेकर शहर आने लगे। आधी रात के बाद कांवड़ियों ने हर-हर महादेव जयघोष के साथ भगवान शिव का जलाभिषेक किया। सबसे पहले मिला स्थित अलखनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं ने भोले बाबा का जलाभिषेक किया। मंदिर के महंत कालू गिरि महाराज ने बताया कि भक्तों की भीड़ को देखते हुए मंदिर में आने-जाने के लिए अलग-अलग रास्ते बनाए गए हैं। सोमवार सुबह शिवभक्तों की कतार लग गईं। मंदिर परिसर बम-बम भोले, हर-हर महादेव के जयकारों से गुंजायमान हो गए।

त्रिवटीनाथ मंदिर में महाआरती के बाद शुरू हुआ जलाभिषेक

प्रेमनगर स्थित बाबा त्रिवटीनाथ मंदिर में सोमवार तड़के चार बजे महाआरती के बाद जलाभिषेक की शुरुआत हुई। मीडिया प्रभारी संजीव औतार अग्रवाल ने बताया कि मंदिर में आने वाले भक्तों के लिए व्यवस्था कर ली गई है। शिवालय में एक ओर से भक्तों को प्रवेश दिया जा रहा है, जबकि दूसरी ओर से निकास की व्यवस्था की गई है। धर्मकांटा चौराहा होते हुए त्रिवटीनाथ मंदिर पहुंचा जा सकता है।

वनखंडी नाथ मंदिर में भी गूंजा जयकारा

जोगी नवादा स्थित वनखंडीनाथ मंदिर में भी तड़के से ही जलाभिषेक की शुरुआत हुई। शुक्रवार को जोगी नवादा से कछला गए कांवड़िये भी सोमवार को जलाभिषेक करेंगे। मंदिर में कांवड़ियों के लिए अलग कतार रहेगी, ताकि उन्हें परेशानी न हो। पूरे दिन भक्त जलाभिषेक करते रहेंगे। पीलीभीत रोड होते हुए आसानी से मंदिर तक पहुंचा जा सकता है।

धोपेश्वरनाथ मंदिर में लगी कतार

कैंट स्थित बाबा धोपेश्वरनाथ मंदिर भक्तों की आस्था का केंद्र है। मंदिर में बड़ी संख्या में कांवड़िये जलाभिषेक करने पहुंचते हैं। पुजारी धनश्याम ने बताया कि पहले सोमवार को तड़के से ही भक्त कतारबद्ध होकर मंदिर खुलने की प्रतीक्षा कर रहे थे। तड़के चार बजे आरती के बाद भक्तों ने बम-बम भोले का जायकारा लगाते हुए जलाभिषेक किया। सदर बाजार कैंट होते हुए आसानी से मंदिर तक पहुंचा जा सकता है।

भक्तों की आस्था का केंद्र है तपेश्वरनाथ मंदिर

सुभाषनगर स्थित तपेश्वरनाथ मंदिर भक्तों की आस्था का केंद्र है। यहां काफी संख्या में श्रद्धालु जलाभिषेक करते हैं। मंदिर के पुजारी विशन लाल ने बताया कि मंदिर में कांवड़ियों के साथ आसपास के भक्त भी पहुंचते है। मंदिर में तड़के तीन बजे से जलाभिषेक शुरु हो गया। सुभाषनगर पुलिया व बदायूं रोड होते हुए आसानी से मंदिर तक पहुंचा जा सकता है।

मढ़ीनाथ मंदिर में भी लगी कतार

मढ़ीनाथ मंदिर में सावन के पहले सोमवार को तड़के से ही जलाभिषेक शुरु हो गया। मंदिर के पुजारी धमेंद्र गिरि ने बताया कि परिसर को रंग-बिरंगी लाइटों व झालरों से सजाया गया है। मढ़ीनाथ पुल व बदायूं रोड होते हुए मंदिर तक पहुंचा जा सकता है।

नेपाल की तर्ज पर बना है पशुपतिनाथ मंदिर

नेपाल के पशुपतिनाथ मंदिर की तर्ज पर पीलीभीत रोड पर पशुपतिनाथ मंदिर बना है। सोमवार को सुबह यहां महाआरती के बाद भक्त जलाभिषेक कर सकेंगे। सेटेलाइट बस स्टैंड से ऑटो करके मंदिर तक पहुंचा जा सकता है। मुख्य मार्ग से मंदिर 150 मीटर अंदर बना है।

पोल खोल अभियान के तहत कांग्रेसियों ने डीएम आफिस पर किया प्रदर्शन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। आज उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष शकील अंसारी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय द्वारा पोल खोल अभियान के तहत सरकार के भ्रष्टाचार व जन समस्याओं को उजागर करने पर प्रदेश अध्यक्ष सहित अन्य नेताओं के ऊपर वाराणसी पुलिस द्वारा फर्जी मुकदमा दर्ज कराए जाने के विरोध में जिलाधिकारी कार्यालय पर जोरदार प्रदर्शन कर महामहिम राज्यपाल के नाम संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट सुल्तानपुर को सौंपा गया। शहर अध्यक्ष शकील अंसारी ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार दमनकारी नीतियों के तहत जो भी कांग्रेस का नेता जनहित के मुद्दों को उठा रहा है उनके ऊपर पूरे प्रदेश में फर्जी मुकदमे दर्ज करवा रही है लेकिन कांग्रेस पार्टी इनके मुकदमों से नहीं डरेगी और जनहित के मुद्दों को और तेजी के साथ उठाएगी। जिला समन्वयक संदीप त्रिपाठी ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष अजय राय सहित तमाम कांग्रेस जनों पर दर्ज मुकदमें शीघ्र वापस हों नहीं तो प्रदेश स्तर पर बृहद आंदोलन हम कांग्रेस जन करने को मजबूर होंगे। वरिष्ठ कांग्रेस नेता सलाहुद्दीन हाशमी व पूर्व प्रदेश सचिव रणजीत सिंह सलूजा ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार बहुत ही डरी हुई है क्योंकि इनसे प्रदेश संभल नहीं रहा है और जो इनके भ्रष्टाचार को उठा रहा है ये उनको फर्जी मुकदमे में फंसाकर डर का माहौल पैदा रहे हैं लेकिन कांग्रेस और तेजी के साथ इनकी जनविरोधी नीतियों को उजागर करती रहेगी। वरुण मिश्र व रियाज अहमद ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने जो कृत्य प्रदेश अध्यक्ष अजय राय जी के साथ किया है वो निंदनीय है और सरकार को फर्जी मुकदमे जल्द वापस लेना पड़ेगा इसके लिए कांग्रेस पूरे प्रदेश में जोरदार आंदोलन करेगी।

लिटिल स्टार 2025: लुलु मॉल में हुआ सीजन 3 का भव्य फिनाले, देशभर से आए बच्चों ने बिखेरा टैलेंट का जादू

लखनऊ की गार्गी द्विवेदी ने अपने अद्भुत नृत्य से सभी को किया मंत्रमुग्ध

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। बच्चों की प्रतिभा को उड़ान देने वाला बहुप्रतीक्षित आयोजन 'लिटिल स्टार 2025 – सीजन 3' का भव्य फिनाले रविवार को लुलु मॉल, लखनऊ में आयोजित किया गया। यह आयोजन लुलु फनटूरा द्वारा प्रस्तुत और मिल्की मिस्ट द्वारा पावर्ड था। पूरे कार्यक्रम में उत्साह, भावनाएं और रचनात्मकता की भरपूर झलक देखने को मिली, जब देशभर से आए प्रतिभाशाली बच्चों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में 5 से 15 वर्ष की उम्र के बच्चों ने भाग लिया, जो लखनऊ, गोरखपुर, सुल्तानपुर, रायबरेली, सीतापुर और मुंबई जैसे शहरों से आए थे। डांस, सिंगिंग और इंस्ट्रूमेंटल की तीन श्रेणियों में बंटे इस मुकाबले में बच्चों ने अपनी मेहनत और हुनर से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

हर श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को ₹1 लाख और दूसरे स्थान पर रहे प्रतिभागियों को ₹10 हजार की इनामी राशि प्रदान की गई। इन पुरस्कारों के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि लुलु फनटूरा नई प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और उनके सपनों को उड़ान देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। प्रतियोगिता का मूल्यांकन भातखंडे विश्वविद्यालय जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों से जुड़े अनुभवी विशेषज्ञों की जज पैनल ने किया।

गार्गी द्विवेदी ने मोहा मन : पूरे सीजन के दौरान लखनऊ की गार्गी द्विवेदी ने अपने नृत्य से सबका मन मोह लिया एवं फिनाले में उनकी प्रस्तुति के बाद पूरा हॉल तालियों से गूँज उठा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथियों में नोमान अज़ीज़ खान (रीजनल मैनेजर), समीर वर्मा (मॉल जनरल मैनेजर), वसीम अहमद (फनटूरा मैनेजर), सब्तैन हुसैन (पीआर मैनेजर) समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। उन्होंने प्रतिभागियों की प्रतिभा, आत्मविश्वास और मेहनत की सराहना करते हुए सभी बच्चों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में BIG FM 94.3 की उपस्थिति ने आयोजन को और भी खास बना दिया।

बच्चों की भावनात्मक प्रस्तुतियाँ, दर्शकों की सहभागिता और मंच पर उभरते सपनों की चमक ने माहौल को जीवंत और उत्सवी बना दिया। आयोजन टीम ने कहा, "हम गर्व के साथ देशभर की उभरती प्रतिभाओं को मंच प्रदान करते हैं। फनटूरा आगे भी बच्चों को उनके टैलेंट को पहचान दिलाने और उन्हें आगे बढ़ाने में सहयोग करता रहेगा।"लिटिल स्टार 2025 का यह आयोजन न सिर्फ एक प्रतियोगिता था, बल्कि यह बच्चों के आत्मविश्वास, रचनात्मकता और संभावनाओं को नई दिशा देने का एक सशक्त मंच भी बना।

गौशालाओं की व्यवस्था सुदृढ़ करने हेतु 15 से 30 जुलाई तक वृहद निरीक्षण अभियान, मंत्री धर्मपाल सिंह ने दिए कड़े निर्देश

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने प्रदेश की सभी गौशालाओं की व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने और वर्षा ऋतु में गोवंश की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 15 जुलाई से 30 जुलाई तक वृहद निरीक्षण अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि इस दौरान गौशालाओं की चारा, भूसा, पानी, प्रकाश, बिजली, बैठने की व्यवस्था, औषधियों और वर्षा से बचाव की सुविधाओं की गहन जांच की जाएगी और किसी भी प्रकार की कमी मिलने पर तत्काल कार्रवाई होगी।मंत्री धर्मपाल सिंह ने सोमवार को विधान भवन स्थित अपने कार्यालय में पशुधन विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों से कहा कि निरीक्षण कार्य के लिए वरिष्ठ अधिकारी स्वयं फील्ड में जाएं और समस्याओं का मौके पर निराकरण करें। उन्होंने यह भी कहा कि वर्षा ऋतु में अक्सर गोवंश सड़कों पर आ जाते हैं जिससे दुर्घटनाओं की आशंका रहती है, इसलिए रेडियम बेल्ट लगाने का अभियान तेज किया जाए।बैठक में मंत्री ने वृक्षारोपण अभियान के तहत 7.26 लाख पौधे रोपने के लक्ष्य को समयबद्ध रूप से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि जहां भी पौधे रोपे जाएं, वहां ट्री गार्ड अनिवार्य रूप से लगाए जाएं और इसके लिए जिला प्रशासन से सहयोग लिया जाए। गौशालाओं में चबूतरों के निर्माण के लिए मनरेगा का उपयोग किए जाने की बात भी उन्होंने कही।उन्होंने निर्देशित किया कि गौवंश की पहचान और निगरानी के लिए ईयर टैगिंग का कार्य गंभीरता से किया जाए और भारत सरकार द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों का पूर्ण पालन सुनिश्चित हो। साथ ही उन्होंने गोवंश को बीमारियों से बचाने के लिए शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित करने और दवाओं की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने को कहा।

गैर–जमानती वारंट के तहत फरार चल रहा बिजली चोरी का आरोपी रोहित गुप्ता गिरफ्तार, मलिहाबाद पुलिस की सटीक कार्रवाई

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के मलिहाबाद थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर बड़ी कामयाबी हासिल की है। आरोपी रोहित गुप्ता, जो बिजली चोरी के एक मामले में वांछित चल रहा था और न्यायालय द्वारा जारी गैर-जमानती वारंट की गिरफ्त से बचता फिर रहा था, सोमवार को पुलिस की गिरफ्त में आ गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, अभियुक्त रोहित गुप्ता पुत्र स्वर्गीय सोहनलाल, निवासी कस्बा मिर्जागंज, थाना मलिहाबाद, उम्र लगभग 36 वर्ष, क्षेत्र में पूजा सामग्री की दुकान संचालित करता है। उसके विरुद्ध वर्ष 2020 में मलिहाबाद थाने में अपराध संख्या 116/2020 के तहत धारा 138 ईसी एक्ट में बिजली चोरी का मुकदमा दर्ज किया गया था। अभियुक्त की लगातार अनुपस्थिति के चलते माननीय न्यायालय ने एनबीडब्ल्यू केस संख्या 1699/22 के अंतर्गत उसके विरुद्ध गैर-जमानती वारंट जारी किया था।अभियुक्त की तलाश में लगातार प्रयासरत पुलिस को उस वक्त सफलता मिली जब विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई कि रोहित गुप्ता अपनी दुकान पर मौजूद है।

सूचना के आधार पर थाना मलिहाबाद की पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और बिना किसी विवाद या प्रतिरोध के अभियुक्त को धर दबोचा।गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उसे न्यायिक प्रक्रिया के तहत आगे की कार्रवाई हेतु अदालत में प्रस्तुत करने की तैयारी शुरू कर दी है। मलिहाबाद पुलिस का यह ऑपरेशन अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान की एक और कड़ी है, जिसमें फरार और वारंटी आरोपियों की धरपकड़ प्राथमिकता पर की जा रही है।

ठाकुरगंज के राधाग्राम में नाले में गिरने से युवक की मौत, कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने जताया गहरा दुख और मांगी कार्रवाई

लखनऊ। ठाकुरगंज इलाके के राधाग्राम क्षेत्र में नगर निगम की गंभीर लापरवाही का खामियाजा एक निर्दोष नागरिक को अपनी जान देकर चुकाना पड़ा। यहां के निवासी सुरेश लोधी की नाले में गिरने से मृत्यु हो गई। घटना की सूचना मिलते ही प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री अजय राय जी मौके पर पहुंचकर मृतक के परिजनों से मिलकर सांत्वना प्रकट की और स्थिति का जायजा लिया।पत्रकारों से बातचीत में अजय राय ने कहा कि यह दुखद घटना सरकार की उपेक्षा और नगर निगम की अव्यवस्था का नतीजा है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि कांग्रेस पार्टी इस कठिन घड़ी में मृतक के परिवार के साथ पूरी संवेदना रखती है और उनकी हर संभव मदद करेगी।

मधुशाला नहीं पाठशाला चाहिए' : संजय सिंह ने योगी सरकार पर बोला हमला, कहा—शिक्षा को बर्बाद कर रही है भाजपा सरकार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने सोमवार को एक तीखा बयान जारी करते हुए राज्य की योगी आदित्यनाथ सरकार पर शिक्षा विरोधी मानसिकता रखने का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि भाजपा सरकार एक तरफ सरकारी स्कूलों को बर्बाद कर रही है और दूसरी तरफ प्रदेश भर में शराब की दुकानों की बाढ़ ला रही है।संजय सिंह ने कहा कि यह बेहद शर्मनाक स्थिति है कि जिस उत्तर प्रदेश में लाखों बच्चे सरकारी विद्यालयों पर निर्भर हैं, वहां हजारों स्कूल या तो बंद कर दिए गए हैं या खस्ताहाल में चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने अब तक 27,000 से अधिक सरकारी स्कूल बंद कर दिए हैं और अब 5,000 और विद्यालयों को बंद करने की तैयारी की जा रही है, यह कहते हुए कि वहां बच्चों की संख्या कम है। लेकिन बच्चों की संख्या कम होने का असली कारण यह है कि सरकार ने न तो शिक्षकों की नियुक्ति की, न ही भवनों की मरम्मत कराई और न ही बच्चों को कोई सुविधा दी।उन्होंने सरकारी आंकड़ों के हवाले से कहा कि प्रदेश में प्राथमिक स्तर पर 1.93 लाख शिक्षकों के पद रिक्त हैं। माध्यमिक में 3,872 और वरिष्ठ माध्यमिक स्तर पर 8,714 शिक्षक नहीं हैं। प्रयागराज जिले में ही 633 स्कूल खतरनाक घोषित हो चुके हैं जिनकी इमारतें कभी भी गिर सकती हैं।संजय सिंह ने कहा, "यह सब उस सरकार के राज में हो रहा है जो रोज़ 'डबल इंजन सरकार' का प्रचार करती है। जब स्कूल बंद हो रहे थे, तब इसी सरकार ने उत्तर प्रदेश में 27,308 शराब की दुकानें खोल दीं। यह सरकार शिक्षा की नहीं, शराब के ठेकों की चिंता करती है। यही वजह है कि उत्तर प्रदेश में प्रति छात्र सालाना शिक्षा पर सिर्फ ₹9,167 खर्च हो रहा है, जबकि राष्ट्रीय औसत ₹12,768 है।"उन्होंने कहा कि योगी सरकार गरीब, दलित, पिछड़ा और किसान वर्ग के बच्चों को शिक्षित नहीं देखना चाहती। इसीलिए विद्यालयों को या तो बंद किया जा रहा है या खंडहरों में तब्दील कर दिया गया है। सरकार की प्राथमिकता में न तो शिक्षा है, न ही शिक्षक, सिर्फ व्यापारिक मुनाफा और जनविरोधी योजनाएं हैं।आम आदमी पार्टी ने पूरे प्रदेश में 'स्कूल बचाओ आंदोलन' की शुरुआत की है। इस आंदोलन के तहत पार्टी कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर जनता को यह बताएंगे कि भाजपा सरकार कैसे बच्चों से किताबें छीनकर उनके हाथों में शराब की बोतल थमा रही है। 'मधुशाला नहीं पाठशाला चाहिए' के नारे के साथ यह आंदोलन तब तक चलेगा, जब तक हर बच्चे को शिक्षक, स्कूल और शिक्षा का अधिकार नहीं मिल जाता।संजय सिंह ने चेतावनी दी कि यदि योगी सरकार ने अविलंब रिक्त पदों पर शिक्षकों की भर्ती, खस्ताहाल विद्यालयों की मरम्मत और बंद किए गए स्कूलों को फिर से शुरू करने की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया, तो आम आदमी पार्टी इस मुद्दे को सड़क से लेकर संसद तक गंभीरता से उठाएगी और हर मंच से सरकार की असलियत उजागर करेगी।उन्होंने चुनावी वादों और विकास के नारों को 'जुमलेबाज़ी' करार देते हुए कहा कि अब जनता समझ चुकी है कि असली विकास क्या होता है और किसके लिए होता है। आम आदमी पार्टी शिक्षा को मूलभूत अधिकार मानती है और उसकी रक्षा के लिए हर स्तर पर संघर्ष करेगी।

लखनऊ में शातिर वाहन चोर गैंगस्टर सत्यम गुप्ता उर्फ बांगडू गिरफ्तार, 19 मामलों में था वांछित, चोरी की स्कूटी बरामद

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में बढ़ती वाहन चोरी की घटनाओं पर नकेल कसते हुए पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ की कृष्णानगर थाना पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। वाहन चोरी और धोखाधड़ी के 19 से अधिक मामलों में वांछित कुख्यात अपराधी सत्यम गुप्ता उर्फ बांगडू को सोमवार तड़के गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से हाल ही में चोरी की गई एक्टिवा स्कूटी भी बरामद की है।यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त लखनऊ के निर्देश पर अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे सघन अभियान के तहत की गई। दक्षिणी जोन के पुलिस उपायुक्त और अपर पुलिस उपायुक्त के मार्गदर्शन तथा सहायक पुलिस आयुक्त कृष्णानगर के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक कृष्णानगर की अगुवाई में गठित टीम ने सत्यम को गिरफ्तार किया।मामले की शुरुआत 11 जुलाई 2025 को हुई, जब कृष्णापल्ली, आलमबाग निवासी आशीष कुमार कुशवाहा ने अपनी स्कूटी (UP 32 MR 8090, ग्रे रंग) चोरी होने की शिकायत थाना कृष्णानगर में दर्ज कराई। शिकायत के मुताबिक स्कूटी 10 जुलाई की रात करीब 8:30 बजे चोरी हुई थी। इस संबंध में मुकदमा अपराध संख्या 333/2025 धारा 303(2) भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत अज्ञात चोर के खिलाफ दर्ज किया गया।जांच के लिए दो टीमें गठित की गईं जिन्होंने सीसीटीवी फुटेज, कॉल डिटेल्स और गोपनीय सूचनाओं के आधार पर संदिग्ध की तलाश शुरू की। अथक प्रयासों के बाद पुलिस को बड़ी सफलता तब मिली जब 14 जुलाई की सुबह करीब 3:20 बजे लोकबन्धु अस्पताल से स्काई हिल्टन की ओर जाने वाले रास्ते पर एक व्यक्ति को धक्का मारकर स्कूटी ले जाते देखा गया। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने उसे हिरासत में ले लिया।पूछताछ में अभियुक्त ने अपनी पहचान सत्यम गुप्ता उर्फ बांगडू पुत्र स्व. पारसनाथ गुप्ता, निवासी SS-1393, सेक्टर एच, थाना आशियाना, लखनऊ, उम्र लगभग 42 वर्ष, के रूप में बताई। उसने स्वीकार किया कि स्कूटी उसी ने कृष्णापल्ली से चोरी की थी और जब वह उसे लेकर घर जा रहा था, तो रास्ते में पेट्रोल खत्म हो गया, जिसके चलते वह उसे धक्का मारकर ले जा रहा था।सत्यम गुप्ता का आपराधिक इतिहास अत्यंत लंबा और संगीन है। उसके खिलाफ लखनऊ, कानपुर और गाजियाबाद के विभिन्न थानों में चोरी, धोखाधड़ी, जालसाजी, शस्त्र अधिनियम और गैंगस्टर एक्ट के तहत कुल 19 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। चिनहट, आशियाना, विभूतिखंड, पीजीआई, विकासनगर, गोमतीनगर, गुडम्बा, कैसरबाग, कानपुर नगर और गाजियाबाद के इन्द्रापुरम व खोड़ा थानों में वह पहले भी गिरफ्तार हो चुका है।

ड्रोन तकनीक से मनरेगा कार्यों की निगरानी का अभियान तेज, अलीगढ़ की 20 ग्राम पंचायतों में होगा निरीक्षण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) योजनांतर्गत किए जा रहे कार्यों की गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए अब ड्रोन तकनीक के माध्यम से निगरानी और निरीक्षण का कार्य तेज़ी से जारी है। ग्राम्य विकास विभाग के अधीन यह तकनीकी पहल उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व में लगातार मजबूत की जा रही है।वर्तमान सरकार द्वारा विकास कार्यों की निगरानी में तकनीकी के इस्तेमाल पर विशेष बल दिया जा रहा है। इसी क्रम में राज्य स्तर से तैनात ड्रोन निगरानी टीमों द्वारा अब तक प्रदेश की छह हजार से अधिक कार्यस्थलों की वीडियोग्राफी/फोटोग्राफी की जा चुकी है। अब यह टीम 15 जुलाई से जनपद अलीगढ़ का दौरा कर 2024-25 में मनरेगा के अंतर्गत कराए गए।

दस–दस हजार के इनामी दो वांछित अपराधी गिरफ्तार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत थाना विकासनगर पुलिस ने एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। संगठित अपराध में संलिप्तता के आरोप में वांछित चल रहे दो अपराधियों को पुलिस ने दबोच लिया है। दोनों अभियुक्तों पर ₹10-10 हजार का इनाम घोषित था और ये उत्तर प्रदेश गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम के तहत दर्ज एक महत्वपूर्ण मामले में फरार चल रहे थे।गिरफ्तार किए गए दोनों अपराधियों की पहचान अंकुल वर्मा और रोहित कनौजिया उर्फ रोहित गणेश कुमार के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, ये दोनों अभियुक्त राज प्रताप सिंह उर्फ बाबू छपरी नामक कुख्यात अपराधी के नेतृत्व में सक्रिय गिरोह के सदस्य थे, जो शहर में लूट, डकैती, भय और अवैध गतिविधियों में संलिप्त था। गिरोह के विरुद्ध विकासनगर थाना क्षेत्र में अपराध संख्या 85/2025 के अंतर्गत गिरोहबंदी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था।अंकुल वर्मा को 13 जुलाई 2025 को मुखबिर की सूचना पर फैजाबाद रोड स्थित इंदिरा नहर पुल के पास से गिरफ्तार किया गया। वह मूलतः ग्राम कबीरपुर, थाना गोसाईगंज, लखनऊ का निवासी है और उसकी उम्र लगभग 28 वर्ष है। उसके खिलाफ पहले से ही गाजीपुर, गोमतीनगर और गोसाईगंज थानों में धोखाधड़ी, चोरी, मारपीट और धमकी देने जैसे कई गंभीर मामले दर्ज हैं।वहीं, दूसरे वांछित आरोपी रोहित कनौजिया उर्फ रोहित गणेश कुमार को 14 जुलाई को अलीगंज स्थित वासले ड्राई क्लीनिंग शॉप के पास अल्कापुरी तिराहे से गिरफ्तार किया गया। वह भी थाना गोसाईगंज क्षेत्र के सठवारा गांव का रहने वाला है और उसकी उम्र लगभग 32 वर्ष है। उसके विरुद्ध भी गाजीपुर थाने में विश्वासघात और धोखाधड़ी से संबंधित गंभीर धाराओं में आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तारी के बाद न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जिला कारागार लखनऊ भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, इन अपराधियों ने गिरोह बनाकर लगातार लूट और धमकाने की घटनाओं को अंजाम दिया, जिससे आमजन में भय का माहौल बन गया था। गिरोह की गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए इनकी गिरफ्तारी आवश्यक थी।विकासनगर पुलिस की इस कार्रवाई में थानाध्यक्ष आलोक कुमार सिंह के नेतृत्व में गठित टीम की अहम भूमिका रही।

10–10 हजार के इनामी दो वांछित अपराधी गिरफ्तार, संगठित अपराध में थे सक्रिय

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ की विकासनगर पुलिस को अपराध नियंत्रण अभियान के तहत एक बड़ी सफलता मिली है। थाना विकासनगर की पुलिस टीम ने दो कुख्यात वांछित अपराधियों को गिरफ्तार किया है, जिन पर पुलिस कमिश्नरेट की ओर से ₹10-10 हजार रुपये का इनाम घोषित था। दोनों अपराधी उत्तर प्रदेश गिरोहबंद और समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम के तहत दर्ज संगीन मामले में लंबे समय से फरार चल रहे थे।गिरफ्तार किए गए आरोपियों में पहला नाम अंकुल वर्मा पुत्र ज्वाला प्रसाद निवासी ग्राम कबीरपुर, थाना गोसाईगंज है, जिसकी उम्र लगभग 28 वर्ष है। पुलिस ने उसे मुखबिर की सूचना पर 13 जुलाई 2025 को फैजाबाद रोड स्थित इंदिरा नहर पुल के पास से गिरफ्तार किया। वहीं दूसरा आरोपी रोहित कनौजिया उर्फ रोहित गणेश कुमार पुत्र गणेश प्रसाद निवासी सठवारा, थाना गोसाईगंज, जिसकी उम्र लगभग 32 वर्ष है, उसे 14 जुलाई 2025 को अलीगंज क्षेत्र में वासले ड्राई क्लीनिंग शॉप के पास अल्कापुरी तिराहे से दबोचा गया।दोनों अभियुक्तों के विरुद्ध अपराध संख्या 85/2025 के तहत धारा 2(ख)(एक)(ग्यारह)/3(1) यूपी गैंगस्टर एक्ट में मुकदमा दर्ज है, जिसकी विवेचना गाजीपुर थाना प्रभारी द्वारा की जा रही है। पुलिस के अनुसार, ये दोनों आरोपी गैंगलीडर राज प्रताप सिंह उर्फ बाबू छपरी के साथ मिलकर लखनऊ में संगठित रूप से लूट, डकैती, धमकी और अवैध वसूली जैसे गंभीर अपराधों को अंजाम देते रहे हैं। इनकी गैंग की गतिविधियों से आम जनता में डर और असुरक्षा का माहौल बना हुआ था।गिरफ्तार आरोपियों का आपराधिक इतिहास भी कम नहीं है।अंकुल वर्मा के खिलाफ गाजीपुर, गोमतीनगर और गोसाईगंज थानों में 406, 420, 379, 411, 323, 504, 506 जैसी धाराओं में कई मुकदमे दर्ज हैं।

रोहित कनौजिया पर भी गाजीपुर थाना क्षेत्र में धोखाधड़ी और विश्वासघात के गंभीर आरोपों में केस दर्ज है।पुलिस ने दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जिला कारागार लखनऊ भेज दिया गया।यह गिरफ्तारी पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के पूर्वी जोन के अंतर्गत कार्य कर रही विकासनगर पुलिस की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई का नतीजा है।

काशी के घाटों की विरासत को अब सुनिए डिजिटल स्वरूप में: पर्यटन विभाग ला रहा जीपीएस युक्त ऑडियो बुक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार पर्यटन विभाग वाराणसी आने वाले देश-विदेश के पर्यटकों के अनुभव को और अधिक समृद्ध और रोचक बनाने की दिशा में एक अभिनव पहल कर रहा है। इस प्रयास के तहत काशी के 84 प्रमुख घाटों के लिए जीपीएस युक्त ऑडियो बुक विकसित की जा रही है, जिससे घाटों की ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक महत्ता से पर्यटक सहज रूप से परिचित हो सकें।इस अभिनव परियोजना की जानकारी उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि पर्यटन विभाग वाराणसी के घाटों से जुड़ी प्राचीन परंपराओं, पौराणिक कथाओं और सांस्कृतिक विशेषताओं को डिजिटल स्वरूप में जनसामान्य के लिए सुलभ कराने जा रहा है। जीपीएस आधारित इस ऑडियो बुक की सहायता से पर्यटक अब घाटों पर घूमते हुए या गंगा में नौका विहार करते समय अपने मोबाइल पर लाइव जानकारी सुन सकेंगे।

चिनहट पुलिस ने नाबालिग को बहला–फुसलाकर भगाने वाले आरोपी को किया गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट के अंतर्गत थाना चिनहट पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने एक नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने के आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है और किशोरी को सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंप दिया गया है। यह पूरी कार्रवाई पुलिस की सतर्कता, त्वरित अनुसंधान और निष्कलंक कार्यशैली का प्रमाण है।मामले की शुरुआत 2 जून 2025 को उस समय हुई जब चिनहट थाना क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति ने अपनी नाबालिग पुत्री के लापता होने की सूचना दी। परिजनों ने आशंका जताई कि उनकी बेटी को कोई अज्ञात व्यक्ति बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। इस संबंध में थाना चिनहट पर तत्काल मुकदमा अपराध संख्या 278/25 धारा 137(2) भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत अज्ञात अभियुक्त के खिलाफ दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई।विवेचना का जिम्मा उपनिरीक्षक दुर्वेश बाबू को सौंपा गया। उन्होंने महिला उपनिरीक्षक सरिता यादव, कांस्टेबल विनय शुक्ला और कांस्टेबल योगेश पाल के सहयोग से घटना के सभी पहलुओं की गहराई से पड़ताल की। तकनीकी साक्ष्य, पूछताछ और स्थानीय सूचनाओं के आधार पर पुलिस टीम ने 14 जुलाई को आनंद विहार कॉलोनी, सतरिख रोड तिराहे के पास से नाबालिग लड़की को सकुशल बरामद कर लिया। मौके पर ही एक युवक को भी हिरासत में लिया गया, जिसकी पहचान रविंद्र कुमार उर्फ आर्यन उर्फ राका पुत्र नरेंद्र यादव, निवासी शाहपुर, थाना चिनहट, जनपद लखनऊ, उम्र लगभग 20 वर्ष के रूप में हुई।बरामद किशोरी के बयान के आधार पर अभियोग में धारा 87 बीएनएस की भी वृद्धि की गई, जिसके तहत किशोरियों के साथ आपराधिक कृत्यों से संबंधित कड़े प्रावधान लागू होते हैं। इसके बाद आरोपी युवक को विधिक औपचारिकताओं के साथ गिरफ्तार कर लिया गया और उससे पूछताछ की जा रही है।चिनहट पुलिस की इस कार्रवाई को न केवल स्थानीय जनता ने सराहा है, बल्कि लापता बालिकाओं के मामलों में तत्परता और संवेदनशीलता दिखाने के लिए विभागीय स्तर पर भी पुलिस टीम की प्रशंसा की जा रही है। इस घटना ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट अपराध और समाज विरोधी तत्वों के विरुद्ध पूरी सजगता और कर्तव्यपरायणता से कार्य कर रही है।

जल शक्ति मंत्री की अध्यक्षता में लघु सिंचाई योजनाओं की समीक्षा बैठक सम्पन्न, जल संरक्षण व संवर्द्धन पर दिया गया जोर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश जल निगम (ग्रामीण) के सभागार में सोमवार को लघु सिंचाई विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की एक अहम समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने की। बैठक में नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के अंतर्गत चल रही विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई और जनपदवार प्रस्तुतिकरण के माध्यम से जमीनी हकीकत की जानकारी ली गई।बैठक में मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने महोबा जनपद का उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे तालाबों के जीर्णोद्धार, चेकडैम निर्माण और वर्षा जल संचयन संरचनाओं के माध्यम से जल संरक्षण एवं संवर्द्धन का काम सफलतापूर्वक किया गया। महोबा के कबरई और चरखारी विकासखंड, जो पहले अतिदोहित श्रेणी में थे, अब सुरक्षित श्रेणी में आ चुके हैं।

पूरी दुनिया में सबसे तेज गति से बढ़ रही है मुस्लिम आबादी, ईसाई घट रहे, हिंदू आबादी स्थिर

अक्सर कहा जाता है कि भारत में मुस्लिमों की जनसंख्या में तेज वृद्धि हो रही है लेकिन अब जो आंकड़े सामने आये हैं वह दर्शा रहे हैं कि पूरी दुनिया में मुस्लिम आबादी में सबसे तेज वृद्धि हो रही है। आंकड़े यह भी बता रहे हैं कि अगर यही रुझान जारी रहे तो 2050 तक मुस्लिम और ईसाई आबादी लगभग बराबर हो सकती है और 2070 के बाद मुस्लिम जनसंख्या ईसाइयों से आगे निकल सकती है। यह परिवर्तन न केवल सांख्यिकीय रूप से बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक दृष्टि से भी पूरे विश्व को प्रभावित करेगा। हम आपको बता दें कि प्यू रिसर्च सेंटर की एक विश्लेषणात्मक रिपोर्ट "How the Global Religious Landscape Changed From 2010 to 2020" ने वैश्विक धार्मिक जनसांख्यिकी में हो रहे व्यापक परिवर्तनों की तस्वीर सामने रखी है। इस रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया में सबसे तेज़ी से बढ़ने वाला धार्मिक समुदाय मुस्लिम समुदाय है। रिपोर्ट के मुताबिक 2010 से 2020 के बीच मुस्लिमों की संख्या में हुई वृद्धि ने अन्य सभी धर्मों को पीछे छोड़ दिया है रिपोर्ट कहती है कि 2010 से 2020 के बीच मुस्लिमों की संख्या 347 मिलियन (34.7 करोड़) बढ़ी, जोकि अन्य सभी धर्मों की सम्मिलित वृद्धि से भी अधिक है। रिपोर्ट के मुताबिक वैश्विक मुस्लिम जनसंख्या का प्रतिशत 23.9% से बढ़कर 25.6% हो गया। यह वृद्धि मुख्य रूप से युवा आबादी और उच्च प्रजनन दर के कारण हुई। रिपोर्ट कहती है कि 2010 में ईसाई वैश्विक आबादी का 30.6% थे, जो 2020 में घटकर 28.8% रह गए। इस गिरावट का मुख्य कारण था धार्मिक त्याग, जिसमें खासतौर पर लोग पश्चिमी देशों में ईसाई धर्म को छोड़ रहे हैं। वहीं रिपोर्ट कहती है कि वैश्विक हिंदू आबादी लगभग 1.2 अरब हो गई है (2010 में 1.1 अरब थी), यानी 12% की वृद्धि हुई है। हालांकि हिंदुओं का वैश्विक प्रतिशत 15% से मामूली घटकर 14.9% हो गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, हिंदुओं की प्रजनन दर वैश्विक औसत के अनुरूप है और धर्मांतरण की दर भी बहुत कम है। रिपोर्ट के मुताबिक 2020 तक दुनिया के 95% हिंदू भारत में रहते हैं।

इसके अलावा, 'नो-रिलिजन' वर्ग में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। धार्मिक रूप से असंलग्न लोगों की संख्या 270 मिलियन बढ़कर 1.9 अरब हो गई है और इनका वैश्विक हिस्सा 23.3% से बढ़कर 24.2% हो गया है। वहीं प्रमुख धर्मों में केवल बौद्ध धर्म की आबादी 2010 की तुलना में 2020 में कम रही। 2010 में बौद्ध वैश्विक जनसंख्या का 4.9% थे, पर 2020 में यह घट गया। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में हिंदुओं की आबादी 2010 के 80% से घटकर 2020 में 79% हो गई है। वहीं भारत में मुस्लिम आबादी 2010 के 14.3% से बढ़कर 2020 में 15.2% हो गई है। यह वृद्धि भी मुख्य रूप से प्रजनन दर और युवा जनसंख्या के कारण है, न कि धर्मांतरण से। हालांकि भारत में मुस्लिमों की यह वृद्धि अन्य दक्षिण एशियाई देशों जैसे पाकिस्तान या बांग्लादेश की तुलना में धीमी है, पर फिर भी यह एक महत्वपूर्ण सांख्यिकीय परिवर्तन है।

रिपोर्ट के मुताबिक, 2010 में दुनिया की कुल मुस्लिम आबादी में से 35% मुसलमान 15 वर्ष से कम आयु के थे। उल्लेखनीय है कि इतनी युवा जनसंख्या होने के कारण जन्म दर अधिक बनी रहती है, जिससे आबादी तेजी से बढ़ती है। साथ ही मुस्लिम महिलाओं की औसत प्रजनन दर अन्य धार्मिक समुदायों की तुलना में अधिक है। इससे मुस्लिम जनसंख्या की प्राकृतिक विकास दर भी अधिक होती है। साथ ही, रिपोर्ट कहती है कि मुस्लिमों में धर्म छोड़ने वालों की संख्या और अन्य धर्मों से इस्लाम अपनाने वालों की संख्या लगभग बराबर है। यानी धार्मिक स्विचिंग का असर नगण्य है, जिससे शुद्ध जनसंख्या वृद्धि केवल जन्म के कारण होती है। इसके अलावा, रिपोर्ट के मुताबिक केवल 1% वयस्क ही अपने जन्मजात धर्म से अलग होकर अन्य धर्म अपनाते हैं, विशेष रूप से हिंदू और मुसलमान, इन दोनों समुदायों में धर्म-परिवर्तन की दर अत्यंत कम है।

बहरहाल, Pew Research की यह रिपोर्ट दर्शाती है कि आने वाले दशकों में विश्व की धार्मिक जनसंख्या संरचना में महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिल सकते हैं क्योंकि मुस्लिम आबादी में तेज़ वृद्धि जारी रहने की संभावना है। इसके अलावा, ईसाई समुदाय के समक्ष चुनौतियाँ बढ़ेंगी, खासकर यूरोप और अमेरिका में। रिपोर्ट के मुताबिक हिंदू समुदाय वैश्विक रूप से स्थिर रहेगा, परंतु भारत के भीतर उसके अनुपात में धीरे-धीरे गिरावट संभव है। इसमें कोई दो राय नहीं कि यह रिपोर्ट न केवल जनसांख्यिकी विश्लेषण, बल्कि नीति-निर्धारण, शिक्षा, सांस्कृतिक संरक्षण और धार्मिक सहिष्णुता के दृष्टिकोण से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

सुप्रीम कोर्ट के सुझाव पर अमल करे चुनाव आयोग- अवैध घुसपैठियों के खिलाफ भी हो कड़ी कार्रवाई

दरअसल, भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में चुनाव आयोग का काम ज्यादा से ज्यादा मतदाताओं को वोटर लिस्ट में शामिल कर,उन्हें वोट देने के लिए ज्यादा से ज्यादा प्रोत्साहित करना है। चुनाव आयोग का काम वोटर लिस्ट से जीवित मतदाताओं का नाम हटाना नहीं है।

संतोष कुमार पाठक

बिहार में मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण अभियान- SIR के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए देश की सर्वोच्च अदालत ने चुनाव आयोग को कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को लंबी सुनवाई करने और दोनों पक्षों के तर्कों को सुनने के बाद चुनाव आयोग को निर्देश दिया कि वह मतदाता सूची पुनरीक्षण के लिए जरूरी मान्य दस्तावेजों में आधार कार्ड, राशन कार्ड और वोटर आईडी कार्ड को भी शामिल करने पर विचार करे। देश की सर्वोच्च अदालत ने चुनाव आयोग से कई अहम मुद्दों पर जवाब दाखिल करने को भी कहा है। मामले की अगली सुनवाई 28 जुलाई को होगी।

हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण पर रोक नहीं लगाई है। यानी चुनाव आयोग द्वारा चलाया गया यह विशेष अभियान चलता रहेगा। लेकिन अदालत ने आधार कार्ड, राशन कार्ड और वोटर आईडी कार्ड को भी मान्यता देने का सुझाव देकर बिहार के आम मतदाताओं की मुश्किलों को भी आसान करने का प्रयास किया है। इससे पूरी प्रक्रिया आसान होगी और वोटर लिस्ट को लेकर जिस तरह की आशंकाएं पैदा हो रही है, उसे भी कम करने में मदद मिलेगी।

दरअसल, भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में चुनाव आयोग का काम ज्यादा से ज्यादा मतदाताओं को वोटर लिस्ट में शामिल कर, उन्हें वोट देने के लिए ज्यादा से ज्यादा प्रोत्साहित करना है। चुनाव आयोग का काम वोटर लिस्ट से जीवित मतदाताओं का नाम हटाना नहीं है। चुनाव आयोग किसी भी मतदाता से उसका मताधिकार कतई नहीं छीन सकता है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान, बिहार सहित पूरे देश में आधार कार्ड को जिस तरह से बाकी सभी कार्डों, बैंक खातों और सरकारी योजनाओं से जोड़ा गया है, उसके बाद आधार कार्ड को पूरी तरह से खारिज करने से कई तरह के सवाल खड़े हो रहे थे। बिहार में कई जिलों में इस अभियान के तहत आधार कार्ड को स्वीकार किया जा रहा था और कई जिलों में नहीं किया जा रहा था, जिससे कन्फ्यूजन की स्थिति बनी हुई थी। ऐसे में यह बहुत जरूरी माना जा रहा था कि चुनाव आयोग कोई बीच का रास्ता निकाले। सुप्रीम कोर्ट ने भले ही SIR पर रोक नहीं लगाई हो लेकिन टाइमिंग को लेकर जो सवाल पूछे हैं, उससे चुनाव आयोग की इस पूरी कवायद पर कई तरह के सवाल उठ रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में इसी साल होने वाले विधानसभा चुनाव और चुनाव आयोग के इस अभियान को लेकर सुनवाई के दौरान कई महत्वपूर्ण सवाल भी पूछे। हालांकि जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस जॉयमाला बागची की पीठ ने साफ-साफ कहा कि वे संवैधानिक संस्था को वह करने से नहीं रोक सकते जो उसे करना चाहिए। लेकिन कोर्ट ने चुनाव आयोग को अपना जवाबी हलफनामा दायर करने के लिए एक सप्ताह का समय दिया है। वहीं याचिकाकर्ताओं को उसके एक सप्ताह बाद जवाब दाखिल करने के लिए कहा है।

यह मामला केवल बिहार तक ही सीमित रहने वाला नहीं है। आने वाले दिनों में दूसरे राज्यों में मतदाता सूची की समीक्षा कैसे होगी, यह बिहार के मॉडल पर निर्भर करेगा इसलिए सुप्रीम कोर्ट के अंतिम फैसले पर सबकी नजरें बनी रहेंगी।

हालांकि यह भी एक कड़वा सच है कि बिहार सहित देश के कई राज्यों में अवैध घुसपैठियों की भरमार हो गई है। भारत 70 के दशक से ही बांग्लादेश से आने वाले अवैध घुसपैठियों से त्रस्त रहा है और पिछले कुछ वर्षों के दौरान म्यामांर से भी रोहिंग्या मुसलमानों की घुसपैठ देश में बढ़ती जा रही है। देश के कई जिलों में इन अवैध घुसपैठियों की वजह से हालात काफी भयावह हो गए हैं,इसे नकारा नहीं जा सकता है। बिहार के भी कई जिले, अवैध घुसपैठियों से भरे पड़े हैं, इस सच्चाई को भी खारिज नहीं किया जा सकता। कहा जाता है कि बिहार के सीमांचल इलाकों में अवैध घुसपैठियों की संख्या तेजी से बढ़ी है लेकिन सच्चाई यह है कि बिहार का हर जिला बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों से पीड़ति है। बिहार के मिथिलांचल इलाके में भी अवैध घुसपैठियों की संख्या खतरनाक स्तर पर पहुंच गई है। लेकिन इस समस्या का समाधान कर पाना चुनाव आयोग के वश में नहीं है। इसके लिए केंद्र सरकार और केंद्रीय गृह मंत्रालय को विभिन्न एजेंसियों और राज्य सरकारों के साथ मिलकर बड़े पैमाने पर अभियान चलाना होगा। एक तरफ सीमा से होने वाली घुसपैठ को हर हाल में रोकना होगा, दूसरी तरफ सीमावर्ती जिलों के प्रशासनिक ढांचे को भ्रष्टाचार मुक्त और चुस्त-दुरुस्त बनाना होगा। इसके साथ ही देश में घुस चुके घुसपैठियों को देश से हर कीमत पर बाहर भगाने के लिए भी एक व्यापक अभियान चलाना होगा। यह समय की मांग है कि बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को बाहर भगाने के लिए जल्द से जल्द इस तरह का अभियान बड़े पैमाने पर शुरू किया जाए।

अजब-गजब

रात के अंधेरे में दबे पांव आता है कोई, हो जाती है अनहोनी, 6 महीने से दहशत में हैं इलाके के लोग

कर्नाटक के एक गांव से हैरान करने वाली खबर आई है। चिक्कबल्लपुर के गांवों में एक रहस्यमयी डर ने रातों की नींद उड़ा दी है। कर्नाटक के चिंतामणि और शिदलाघट्टा तालुका के दर्जनों गांवों में बीते तीन महीनों से देसी मुर्गियों की चोरी की घटनाएं इतनी बढ़ गई हैं कि ग्रामीण अब अपने ही आंगन में डर के साए में जीने लगे हैं। कोई रात के अंधेरे में दबे पांव आता है, मुर्गियों के बाड़े को निशाना बनाता है और बिना किसी आहट के गायब हो जाता है – पीछे रह जाता है सिर्फ सन्नाटा और ग़ायब मुर्गियों की खाली टोकरी।

चिंतामणि तालुक के कैवारा क्रॉस, मस्तेनाहल्ली, कोंगनल्ली, उलपनहल्ली और कट्टारीगुप्पे जैसे गांवों में इन चोरियों ने आतंक फैला रखा है। शिदलाघट्टा के चिंथोडापी और कुंडलगुर्की में भी हालात अलग नहीं हैं। कुछ लोगों ने अपने घरों में CCTV कैमरे लगाए तो तस्वीरों में दिखा... नकाबपोश लोग, झोला लिए, झुकते हुए बाड़े के पास पहुंचते हैं और पलक झपकते ही मुर्गी गायब!

ये चोर कोई मामूली चोर नहीं हैं। ये देसी मुर्गी के प्रोफेशनल 'शिकारी' हैं। इन्हें पता है कि गांव की मुर्गी की मार्केट में क्या वैल्यू है एक अच्छी नस्ल की मुर्गी 2,000 से 5,000 रुपए तक बिक जाती है। और जब हर रात 4–5 मुर्गियां उड़ जाएं, तो समझिए हफ्ते में एक छोटी 'चोरी मंडी' लग ही जाती है!

कुछ किसान अब रात-रात जागकर मुर्गियों की रखवाली कर रहे हैं। कुछ ने बाड़ों पर ताले लगा दिए हैं, तो कुछ ने एल्यूमिनियम शीट से कवर कर दिया है। लेकिन गांववालों का कहना है "भाईसाहब, चोर तो ऐसा लगता है जैसे स्पाइडरमैन हो, जहां से चाहे निकल जाए!"

चिंतामणि ग्रामीण थाने में कई शिकायतें दर्ज हो चुकी हैं। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है, लेकिन अब तक न गिरफ्तारी हुई, न चोरी रुकी। पुलिस ने एक नंबर जारी किया है और लोगों से अपील की है कि अगर किसी को कोई सुराग मिले तो तुरंत संपर्क करें।

ब्लॉग

पंजाबी अखबारों की रायः पंजाब में तेजी से बिगड़ रही कानून-व्यवस्था

-डॉ. आशीष वशिष्ठ

पंजाब में तेजी से बिगड़ती कानून-व्यवस्था, महाराष्ट्र में उद्धव और राज ठाकरे का गठबंधन और बिहार में चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण और उस पर सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों पर इस हफ्ते पंजाबी अखबारों ने अपनी राय प्रमुखता से रखी है।

सूबे की कानून व्यवस्था पर चंडीगढ़ से प्रकाशित पंजाबी ट्रिब्यून अपने संपादकीय "पंजाब में बढ़ता अपराध" में लिखता है- अबोहर के व्यापारी संजय वर्मा की दिनदहाड़े हत्या और मोगा के एक क्लीनिक में अभिनेत्री तानिया के पिता की गोली मारकर हत्या ने एक तरह से यह उजागर कर दिया है कि किस तरह संगठित अपराध राज्य में आपराधिक गतिविधियों को आसानी से अंजाम दे रहा है। अखबार लिखता है शिक्षित युवाओं में बेरोज़गारी, नशे की लत व जल्दी पैसे कमाने का लालच कई पंजाबी युवाओं को अपराध की ओर धकेल रहा है। सोशल मीडिया पर दुष्प्रचार और गैंगस्टरों का महिमामंडन आग में घी डालने का काम कर रहा है। पंजाब में आपराधिक-आतंकवादी गठजोड़ अब स्थानीय नहीं रहा; यह अंतर्राष्ट्रीय, तकनीकी रूप से सक्षम और वैचारिक रूप से अस्थिर हो गया है। यह संकट जितना लंबा चलेगा, पंजाब के भविष्य को पटरी पर लाना उतना ही मुश्किल होता जाएगा।

जालंधर से प्रकाशित 'पंजाबी जागरण' लिखता है- पंजाब पिछले कुछ समय से आपराधिक गतिविधियों में बढ़ोतरी के कारण सुर्खियों में है। अबोहर में हुई एक घटना ने पूरे राज्य में सनसनी फैला दी है। लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़े एक समूह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के ज़रिए इस घटना की जिम्मेदारी ली है। ऐसा नहीं है कि राज्य में इस तरह की यह पहली घटना है। यह घटना आम बात है। अबोहर की घटना ने पंजाब में जबरन वसूली के बढ़ते मामलों पर भी प्रकाश डाला है। जालंधर से प्रकाशित अजीत लिखता है— आजकल पूरे राज्य में लूटपाट का बोलबाला है। अबोहर की घटना के बाद सरकार एक बार फिर विपक्षी दलों के निशाने पर आ गई है। विपक्ष खासकर कांग्रेस ने मुख्यमंत्री से विधानसभा में कानून व्यवस्था के मुद्दे पर विशेष बहस की मांग की है।

जालंधर से प्रकाशित रोजाना पंजाब टाइम्स लिखता है— वर्ष 2023-24 की रिपोर्टों के अनुसार, पंजाब में जबरन वसूली और धमकियों से जुड़े मामलों में वृद्धि देखी गई है। पंजाब पुलिस के आंकड़ों के अनुसार, जून 2022 से फरवरी 2023 तक जबरन वसूली और धमकी के 278 मामले दर्ज किए गए, जो मार्च 2023 से दिसंबर 2023 तक बढ़कर 307 हो गए। यह वृद्धि समाज और पुलिस प्रशासन के लिए एक बड़ी चुनौती पेश कर रही है। अखबार लिखता है, सिद्धू मूसेवाला की हत्या ने संगठित अपराध की गंभीरता को उजागर किया, लेकिन इसके ख़िलाफ़ कोई बड़ी कार्रवाई नहीं हुई। जबरन वसूली की घटनाओं ने पंजाब के व्यापारियों और छोटे उद्योगपतियों में भय का माहौल पैदा कर दिया है। कई व्यापारी और कलाकार धमकियों के कारण अपना व्यवसाय या पेशा छोड़ने की सोच रहे हैं। इसका राज्य की अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है।

चंडीगढ़ से प्रकाशित रोजाना स्पोक्समैन लिखता है, इस साल अब तक चंडीगढ़ में हत्या के 15 मामले दर्ज किए गए हैं। आंकड़े बताते हैं कि तेजी से हो रहे शहरीकरण, अन्य कारकों के साथ-साथ उत्तर प्रदेश और बिहार से पंजाब और चंडीगढ़ की ओर युवा पीढ़ी के बढ़ते पलायन के कारण भी गंभीर और घातक अपराधों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है। जिन व्यवसायों में स्थानीय लोगों की विशेषज्ञता है, उनमें बाहरी लोगों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने जैसी मांगें राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर उठने लगी हैं। पंजाब और चंडीगढ़ को भी अब इस दिशा में कुछ सार्थक कदम उठाने की ज़रूरत है।

बिहार में चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण और इस बाबत सुप्रीम कोर्ट के हालिया निर्देशों पर चंडीगढ़ से प्रकाशित 'पंजाबी ट्रिब्यून' लिखता है- सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को जारी रखने की अनुमति दे दी है, लेकिन साथ ही उसने चुनाव आयोग से एक बहुत ही प्रासंगिक प्रश्न पूछा हैः अभी क्यों? अदालत ने यह बिल्कुल सही बात कही है कि विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले इस तरह की कवायद से लोगों के मन में संदेह पैदा होना स्वाभाविक है। सुप्रीम कोर्ट ने इस बात पर आश्चर्य व्यक्त किया है कि इस प्रक्रिया में आधार कार्ड पर विचार क्यों नहीं किया जा रहा है। उसका मानना है कि चुनाव अधिकारियों को आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र और राशन कार्ड पर विचार करना चाहिए। चंडीगढ़ से प्रकाशित 'देशसेवक' लिखता है- छोटी-मोटी बाधाओं के बावजूद, चुनाव आयोग ने न केवल देश में, बल्कि दुनिया में भी सम्मान अर्जित किया है। बिहार चुनावों में चुनाव आयोग के सामने अपनी ईमानदारी बचाने की चुनौती है।

जालंधर से प्रकाशित 'अज दी आवाज' लिखता है— बिहार में इस साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार चुनाव जीतने के लिए हर हथकंडा अपना रहे हैं। बिहार में कानून-व्यवस्था की स्थिति ठीक नहीं है। रसूखदारों और कारोबारियों की हत्याओं की घटनाओं ने राज्य सरकार की छवि को गहरा धक्का पहुंचाया है। युवा बेरोजगार हैं और आम जनता महंगाई की मार झेल रही है। ऐसे में नीतीश कुमार ने भी अन्य राजनेताओं की तरह चुनाव के दौरान जनता को लुभाने के लिए बड़े-बड़े ऐलान किए हैं। अखबार आगे लिखता है, बिहार सरकार द्वारा कल्याणकारी योजनाओं की शुरुआत के लिए चुना गया समय उसकी ईमानदारी पर सवाल उठा रहा है। अगर सरकार वाकई लोगों की समस्याओं के प्रति गंभीर और सजग होती, तो ये घोषणाएं एक-दो साल पहले ही की जा सकती थीं। यह तो समय ही बताएगा कि सरकार के अंतिम दिनों में मतदाताओं को लुभाने के लिए की गई घोषणाएं कारगर साबित होती हैं या नहीं।

महाराष्ट्र में उद्धव और राज ठाकरे के गठबंधन पर जालंधर से प्रकाशित 'अज दी आवाज' लिखता है- मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार द्वारा राज्य में हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में पढ़ाने के फैसले ने दोनों चचेरे भाइयों, उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे को करीब आने का अवसर दिया। ऐसा लगता है मानो दोनों नेता साथ आने के मौके का इंतज़ार कर रहे थे। फिलहाल, ये दोनों पार्टियां अपना अस्तित्व बचाए रखने के लिए संघर्ष कर रही हैं। ठाकरे भाइयों का तात्कालिक लक्ष्य प्रतिष्ठित मुंबई नगर निगम में पैर जमाना है। महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ गठबंधन महायुति और विपक्षी एमवीए दोनों ही आंतरिक मतभेदों से घिरे हुए हैं। राज्य में स्थानीय निकाय चुनावों के मद्देनजर, आगामी समय में महाराष्ट्र की राजनीति में और अधिक उतार-चढ़ाव देखने को मिलेंगे और उनका प्रदर्शन राजनीति में उनका भविष्य भी तय करेगा। इसके अलावा एक बड़ा सवाल यह भी है कि क्या ये दोनों स्थानीय चुनाव अकेले लड़ेंगे या एमवीए के सहयोगी कांग्रेस और शरद पवार के साथ मिलकर लड़ेंगे। चंडीगढ़ से प्रकाशित 'पंजाबी ट्रिब्यून' लिखता है— शिवसेना के एक धड़े के प्रमुख उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे द्वारा हताशा में अपनाया गया यह अंतिम उपाय है। शिवसेना संस्थापक बालासाहेब ठाकरे के बेटे उद्धव और भतीजे राज ठाकरे अपनी राजनीतिक किस्मत चमकाने के लिए 'मराठी मानुष' कार्ड पर भरोसा कर रहे हैं। वे भाजपा पर किसी न किसी बहाने महाराष्ट्र के लोगों को बांटने का आरोप लगा रहे हैं; हालांकि, उनकी लड़ाई केवल भगवा पार्टी के खिलाफ ही नहीं है, बल्कि उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली 'आधिकारिक' शिवसेना के खिलाफ भी है। ठाकरे बंधुओं के पुनर्मिलन का मतलब है कि शिंदे अब मराठी वोट को हल्के में नहीं ले सकते।

अयोध्या के होटल में खूनी खेल! युवक ने पहले युवती को मारी गोली, फिर खुद की भी ले ली जान, पति-पत्नी बताकर रुके थे

आर्यावर्त संवाददाता

अयोध्या। उत्तर प्रदेश के अयोध्या के गौरी शंकर पैलेस होमस्टे में एक युवक और युवती की लाश मिली है। मामले की जानकारी पुलिस को दी गई, जिसके बाद पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और जांच में जुटी गई। युवक और युवती प्रेमी जोड़ा बताए जा रहे हैं। मृतकों की पहचान देवरिया के रहने वाले आयुष कुमार और बाराबंकी के दरियाबाद विधान सभा की अरोमा के रूप में हुई है।

पुलिस के मुताबिक आयुष ने पहले अपनी प्रेमिका अरोमा के सिर पर गोली मारी। फिर खुद अपने सिर पर गोली मारकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी उस समय हुई। जब होमस्टे के कर्मचारियों ने चाय के लिए उन्हें शाम को नॉक किया गया। बहुत देर तक नॉक करने के बाद जब गेट नहीं खुला तो पुलिस को जानकारी दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर फॉरेंसिक टीम की मौजूदगी में गेट तोड़ा तो युवक और युवती की खून से लथपथ लाश मिली। पुलिस के मुताबिक कमरे में एक अवैध असला और दो कारतूस भी मिले हैं। दोनों के सिर में गोली लगी है और दोनों प्रेमी-प्रेमिका है।

वीडियोग्राफी के बीच खोला गया दरवाजा

एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी ने बताया कि गौरी शंकर पैलेस में युवक युवती रुके थे। होटल ने जानकारी दी की अंदर से कमरा बंद है और खटखटाने के बावजूद दरवाजा नहीं खुल रहा है। ऐसे में पुलिस मौके पर पहुंची और वीडियोग्राफी के बीच दरवाजा खोला। दोनों पर गन शॉट इंजरी मिली है। एसपी सिटी के मुताबिक ऐसा लग रहा है कि दोनों ने खुद को गोली मारी है।

पति-पत्नी बता कर होटल में रुके थे दोनों

गौरीशंकर पैलेस के मालिक हेमंत जायसवाल ने बताया कि सुबह 10:00 बजे के आसपास लड़का और लड़की खुद को पति-पत्नी बता कर होटल में रुके थे। उन्होंने अपनी आईडी भी जमा की थी। 12:00 बजे तक यह लोग निकले और फिर रूम में जाने के बाद बाहर नहीं आए। शाम को जब मैं होटल पर आया तो मैंने अपने कर्मचारियों से कहा कि जाकर चाय पूछो। जब वहां जाकर लोगों ने दरवाजा खटखटाया तो कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। बहुत देर खटखटाना के बाद जब नहीं खुला तो पुलिस को सूचना दी गई और पुलिस मौके पर पहुंची।

अयोध्या में हिंदू होमस्टे की भरमार है। जिस होमस्टे से शव मिले। वह एक भाजपा नेता का बताया जा रहा है। अब सवाल उठ रहे हैं कि गौरी शंकर गेस्ट हाउस में लड़के की आईडी लेकर ही रूम दे दिया गया और लड़की की आईडी भी नहीं ली गई। जबकि लड़के और लड़की दोनों की उम्र कम थी। इसके अलावा गोली चलने की आवाज किसी को भी कैसे नहीं आई।

नेपाल में आईएसआई कैंप गया, माफिया अतीक से भी नाता... शातिर छांगुर बाबा के डार्क सीक्रेट

आर्यावर्त संवाददाता

बलरामपुर। उत्तर प्रदेश के बलरामपुर जिले का उतरौला... नेपाल सीमा से महज 65 किलोमीटर दूर एक शांत कस्बा... यह क्षेत्र, जो कभी अपनी सादगी और शांति के लिए जाना जाता था, अब एक शख्स की खतरनाक साजिश की वजह से चर्चा में है। इस साजिश का मास्टरमाइंड जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा है, जिसपर आरोप है कि उसने हजारों अवैध धर्मांतरण करवाए और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों को अंजाम देने की कोशिश की। जैसे-जैसे पुलिस और एटीएस की तफ़्तीश आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे रोज़ नए और चौंकाने वाले ख़ुलासे हो रहे हैं। पुलिस हिरासत में आए छांगुर ने एटीएस के साथ कई अहम जानकारियां साझा की हैं। पता चला है कि छांगुर पाकिस्तान की आईएसआई (ISI) के नेपाल कैंप का दौरा कर चुका है। उसका कार्यक्रम पाकिस्तानी ख़ुफ़िया एजेंसी के अधिकारियों से मिलने का था, हालांकि अंतिम समय में यह मीटिंग रद्द हो गई थी।

पूछताछ में यह भी सामने आया है कि छांगुर के कई मुस्लिम नेताओं से भी संबंध थे, जो इस मामले को और पेचीदा बना रहे हैं। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि छांगुर के माफिया अतीक अहमद से भी बेहद करीबी संबंध थे। छांगुर का अतीक के प्रयागराज स्थित घर पर नियमित रूप से आना-जाना था। इतना ही नहीं, बलरामपुर में छांगुर की वह कोठी, जहां कथित तौर पर धर्म परिवर्तन कराए जाते थे, वहां भी अतीक के कई बार आने की जानकारी सामने आई है। छांगुर बाबा बलरामपुर के रेहरामाफी गांव का रहने वाला है। बचपन में वह साइकिल पर नग और अंगूठियां बेचकर गुजारा करता था। एटीएस की जांच में सामने आया कि छांगुर ने पिछले 15 सालों में 3,000 से 4,000 हिंदुओं का धर्मांतरण कराया। उसका नेटवर्क केवल उत्तर प्रदेश तक सीमित नहीं था, बल्कि महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, बिहार, पश्चिम बंगाल और नेपाल तक फैला हुआ था। उसकी सबसे बड़ी सहयोगी थी नीतू उर्फ नसरीन, जो उसकी राजदार और इस साजिश की मुख्य कड़ी थी। नीतू और उसके पति नवीन उर्फ जमालुद्दीन, जो मूल रूप से मुंबई के रहने वाले थे, ने इस नेटवर्क को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई। जांच एजेंसियों ने खुलासा किया कि छांगुर के नेटवर्क को पिछले तीन सालों में 500 करोड़ रुपये की विदेशी फंडिंग मिली। इसमें से 200 करोड़ रुपये की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 300 करोड़ रुपये नेपाल के सीमावर्ती जिलों—काठमांडू, नवलपरासी, रूपनदेही और बांके—में खोले गए 100 से अधिक बैंक खातों के जरिए हवाला के माध्यम से भारत लाए गए। यह फंडिंग पाकिस्तान, सऊदी अरब, दुबई और तुर्की जैसे देशों से आई थी। छांगुर के सहयोगियों, नवीन और नीतू के खातों में 34।22 करोड़ और 13।90 करोड़ रुपये मिले। इसके अलावा, सऊदी अरब, शारजाह और दुबई में संदिग्ध बैंक खातों की जांच भी चल रही है। छांगुर का नेटवर्क सऊदी अरब की इस्लामिक डेवलपमेंट बैंक, मुस्लिम वर्ल्ड लीग, दावत-ए-इस्लाम और इस्लामिक संघ ऑफ नेपाल जैसे संगठनों से भी जुड़ा था। ये संगठन संदिग्ध गतिविधियों में शामिल माने जाते हैं। छांगुर ने इन संगठनों के जरिए न केवल फंडिंग हासिल की, बल्कि अपने नेटवर्क को और मजबूत किया। सूत्रों के मुताबिक, छांगुर काठमांडू में पाकिस्तानी दूतावास तक पहुंचा था, लेकिन सुरक्षा कारणों से दाखिल नहीं हो सका। उसकी योजना थी कि हिंदू से मुस्लिम बनीं युवतियों का निकाह नेपाल में मौजूद आईएसआई एजेंटों और स्लीपर सेल्स के साथ कराया जाए। इससे सीमावर्ती इलाकों में उनकी पैठ बढ़ती और देश-विरोधी गतिविधियों के लिए सूचनाएं इकट्ठा करना आसान हो जाता।

पवित्र सावन माह के प्रथम सोमवार को पालिकाध्यक्ष के नेतृत्व में शिव भक्तों पर हुई पुष्प वर्षा

आर्यावर्त संवाददाता

गोला गोकर्णनाथ-खीरी। पवित्र सावन माह के प्रथम सोमवार को नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू की अगुवाई में रोटरी क्लब गोला सेन्ट्रल, लायंस क्लब गोला के साथ देवाधिदेव की उपासना एवं जलाभिषेक करने के लिए आए कांवरियों पर शिव मंदिर में पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया। स्वागतोउपरांत नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने कहा कि शिव भक्तों के स्वागत के लिए छोटी काशी गोलागोकर्णनाथ का व्यापारी, सामाजिक संगठन, शैक्षणिक संस्थान, पालिका प्रशासन पूरी तरह से तैयार है। हम श्रद्धालुओं के सुख सुविधा का पूरा खयाल रखेंगे। पुष्प वर्षा में धर्मेंद्र गिरी मोंटी, सभासद धर्मेंद्र तिवारी टीटू ,रोटरी क्लब गोला सेंट्रल से अध्यक्ष अभिषेक राजपूत ,सचिव प्रमोद वर्मा , डा०योगेश कनौजिया ,आदर्श सोनी

,उमेश जायसवाल ,वरुण राजपूत ,विवेक गुप्ता ,अमित वर्मा लायंस क्लब गोला अध्यक्ष संजय बंसल , नीरज गुप्ता सेक्रेटरी,राजेश पांडे, ललित विश्वास, श्याम राजपूत, विमल गुप्ता, रणजीत सिंह ,नीरज गुप्ता ,भाजपा कुम्भी मण्डल अध्यक्ष रविन्द्र कटियार ,भाजपा मीडिया प्रभारी विजय मिश्रा आदि मौजूद रहे।

पुलिस कस्टडी में की थी युवक की हत्या... कौन है शूटर शाहरुख, जिसका STF ने किया एनकाउंटर, मुख्तार अंसारी से क्या है कनेक्शन?

आर्यावर्त संवाददाता

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले में कुख्यात संजीव जीवा गैंग का शार्प शूटर शाहरुख पठान पुलिस मुड़भेड़ में मारा गया। शाहरुख पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। गोल्डी हत्याकांड में इसे संजीव जीवा के साथ उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी, लेकिन हाल ही में ये जमानत पर रिहा हुआ था। जमानत पर छूटने के बाद शाहरुख ने फिर से आपराधिक गतिविधियां शुरू कर दी थीं।

करीब छह महीने पहले शाहरुख संभल में हत्या के प्रयास और धमकी देने के एक मामले में वांछित था। शाहरुख गवाहों को धमकाने और हत्या के प्रयास में शामिल था, जिसके चलते पुलिस इसकी तलाश में थी। एसटीएफ की मेरठ यूनिट को शाहरुख के छपार क्षेत्र में होने की सूचना मिली थी। आज सुबह जब एसटीएफ ने शाहरुख को घेरने की कोशिश की, तो उसने पुलिस पर गोलीबारी शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में शाहरुख गोली लगने से घायल हो गया और बाद में उसकी मौत हो गई।

हत्या और रंगदारी के आधा दर्जन से अधिक मुकदमे

एडीजी अमिताभ यश ने बताया कि शाहरुख पठान एक खतरनाक अपराधी था, जिसका आपराधिक नेटवर्क मुजफ्फरनगर और हरिद्वार तक फैला हुआ था। शाहरुख की मुठभेड़ में मौत से क्षेत्र में अपराध पर लगाम लगाने में मदद मिलेगी। शाहरुख पठान पर हत्या और रंगदारी के आधा दर्जन से अधिक मुकदमे थे।

शाहरुख पठान का अपराधिक इतिहास

शाहरुख ने साल 2015 में मुजफ्फरनगर रेलवे स्टेशन पर पुलिस कस्टडी में आसिफ जायदा नामक व्यक्ति की हत्या कर दी थी। गिरफ्तार होने के बाद शाहरुख जेल में रहने के दौरान संजीव जीवा और मुख्तार अंसारी के संपर्क में आ गया और संजीव जीवा के लिए काम करने लगा। कुछ दिन जेल में रहने के बाद ये सिविल लाइन मुजफ्फरनगर से साल 2016 में फरार हो गया।

फरारी के दौरान जीवा के कहने पर शाहरुख ने साल 2017 में हरिद्वार में कंबल व्यापारी गोल्डी की हत्या कर दी थी। फरारी के दौरान ही शाहरुख ने साल 2017 में कोतवाली मुजफ्फरनगर में आसिफ जायदा मर्डर केस के गवाह उसके पिता की हत्या कर दी थी। इस हत्या के बाद इसपर 50 हजार का इनाम घोषित किया गया था। इसके बाद शाहरुख दोबारा गिरफ्तार होकर जेल चला गया।

संजीव जीवा के साथ हुई थी उम्रकैद की सजा

गोल्डी मर्डर केस में इसे संजीव जीवा के साथ उम्र क़ैद की सजा हुई थी। वर्तमान में शाहरुख जमानत पर चल रहा था। करीब संभल में हत्या के प्रयास और धमकी देने के एक मामले में वांछित था। इसकी तलाश की जा रही थी। आज मुठभेड़ के दौरान घायल अवस्था में इसे गिरफ्तार किया गया। फिर इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर्स ने इसे मृत घोषित कर दिया।

नौकरी का लालच देकर 40 गरीबों के मतांतरण का प्रयास, लोगों ने जमकर किया हंगामा

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। एयरपोर्ट थाना के पास रविवार रात पैसा और नौकरी का लालच देकर 40 गरीबों को क्रिश्चियन बनाने की कोशिश की गई। इसको लेकर हिंदुओं ने जमकर हंगामा किया। साथ ही मतांतरण कराने वाले को पकड़ लिया गया। बाद में पूजा कर उसकी घर वापसी करा दी गई।

मतांतरण करने वालों को पकड़ने के बाद उन्हें पुलिस को सौंप दिया गया। इसके साथ ही 58 अन्य लोगों की भी घर वापसी कराई गई। पूरे मामले की शिकायत पुलिस कमिश्नर और जिलाधिकारी से की गई है। मामले को संज्ञान में लेने के बाद प्रकरण पर जांच बैठाई गई है।

इटावा से आकर शहर पश्चिमी क्षेत्र के रहिमाबाद गांव में बसे राजन सहाय पर मतांतरण कराने का आरोप लगाया गया है। बताया जा रहा है कि राजन सहाय ने रविवार रात प्रार्थना सभा का आयोजन कराया था। इसमें लगभग 100 लोग शामिल हुए थे, जिसमें पहले से मतांतरण करने वाले 58 हिंदू थे। इसके अलावा 40 लोगों को मतांतरण कराया जा रहा था।

मतांतरण किए जाने की सूचना आस-पास के हिंदु समुदाय को हुई तो वे वहां पहुंच गए। इसके बाद वहां की जा रही प्रार्थना बंद कराई गई। इस दौरान मौका पाकर मतांरण करने के आरोपित जो करीब 30 की संख्या में मौजूद थे, वहां से भाग गए। जो 10 लोग बच गए थे, उन्हें समझाया गया। इसके बाद मतांरण कराने वाले राजन सहाय समेत 59 लोगों की घर वापसी कराई गई।

मतांतरण के आरोप के इस मामले को लेकर पुलिस कमिश्नर के साथ ही जिलाधिकारी से शिकायत की गई है। इसकी जांच बैठाई गई है। कहा जा रहा है कि अन्य जिन लोगों ने जो मतांतरण किए हैं, उनकी घर वापसी के लिए अभियान चलाया जाएगा। उनकी सूची तैयार की जाएगी। उनके बारे में पता किया जाएगा।

दहेज उत्पीड़ति महिला ने पति समेत पांच पर कराया मुकदमा दर्ज

गोला गोकर्णनाथ-खीरी। थाना हैदराबाद पुलिस ने क्षेत्र के ग्राम धिरावां निवासी अशफ़ाक की पुत्री रोशनी नें पति जलीश, सास शावरुन, बहनोई शान मोहम्मद, जेठ पुरकान व उस्मान के विरुद्ध दहेज उत्पीड़न का मामला दर्ज करवाया है। जानकारी अनुसार रोशनी की शादी 15 जून 2020 को मुस्लिम रीति रिवाज से जलीश के साथ हुई थी। परिवारजनों के मुताबिक सामर्थ के अनुसार दान दहेज भी दिया था। इस बीच इसके दो बच्चे भी हुए। किंतु ससुरालीजन दिए गए दहेज से संतुष्ट नहीं थे। इसलिए शुरू से अतिरिक्त दहेज के तौर पर वह एक लाख नगद रुपए और सोने की चेन मांग रहे थे। मांग पूरी न होने पर ससुरालियों ने विवाहिता का शारीरिक मानसिक उत्पीड़न शुरू कर दिया। खाने-पीने व इलाज पर रोक लगा दी। प्रार्थनी के जेवर गहने उतरवा कर मारपीट कर घर से भगा दिया। बहनोई शान मोहम्मद पर आरोप यह कि वह कहता है कि रोशनी को तलाक दे दो जलीश की दूसरी शादी कर लेंगे।

'ज्योति मौर्य पीसीएस अधिकारी और मैं सफाईकर्मी... वो मुझे दे गुजारा भत्ता', पति की गुहार पर कोर्ट ने क्या किया?

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में तैनात SDM ज्योति मौर्य और उनके पति के बीच का विवाद खूब चर्चा में रहा था। अब एक बार फिर ये केस सुर्खियों में आ गया है। ज्योति मौर्य के पति अब हाईकोर्ट जा पहुंचे हैं। उन्होंने गुजारा भत्ता के लिए याचिका दायर की, जिस पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने PCS (प्रांतीय सिविल सेवा) अधिकारी ज्योति मौर्य को नोटिस जारी किया है। ज्योति मौर्य के पति आलोक कुमार मौर्य ने गुजारा भत्ता संबंधी उनकी याचिका को खारिज किए जाने के बाद हाईकोर्ट में चुनौती दी है।

हाईकोर्ट में दायर की गई याचिका में आलोक ने कहा है कि उनकी पत्नी एक प्रशासनिक अधिकारी हैं और वह एक मामूली सरकारी नौकरी करते हैं। वह कई बीमारियों से पीड़ित हैं। इसलिए वह

गुजारा भत्ता पाने के हकदार हैं। जस्टिस अरिंदम सिन्हा और जस्टिस डॉक्टर वाई के श्रीवास्तव की बेंच ने इस मामले की अगली सुनवाई 8 अगस्त को करने का निर्देश दिया।

आलोक के वकील ने क्या कहा?

सुनवाई के दौरान आलोक के वकील ने कहा कि उनका मुवक्किल प्रयागराज के फैमिली कोर्ट के 4 जनवरी, 2025 के फैसले से व्यथित है, जिसमें गुजारा भत्ता संबंधी उनकी याचिका को खारिज कर दिया गया था। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि ज्योति मौर्य एक प्रशासनिक अधिकारी हैं, जबकि याचिकाकर्ता एक मामूली सरकारी नौकरी करते हैं और कई बीमारियों से पीड़ित हैं।

77 दिन की देरी से दायर की याचिका

यह याचिका 77 दिन की देरी से दायर की गई। इसलिए इस देरी की माफी मांगते हुए एक प्रार्थना पत्र भी दाखिल किया गया है। अपील दायर करने में देरी को माफ करने के आवेदन पर भी कोर्ट ने ज्योति मौर्य को नोटिस जारी किया है। एसडीएम के पद पर कार्यरत ज्योति मौर्य ने पेशे से सफाई कर्मचारी अपने पति आलोक कुमार मौर्य से तलाक लेने के लिए प्रयागराज की फैमिली कोर्ट में एक याचिका दायर कर रखी है।

2010 में हुई थी ज्योति-आलोक की शादी

तलाक की याचिका पेंडिंग रहने के दौरान आलोक ने हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 24 के तहत गुजारा भत्ता के लिए आवेदन किया था, जिसे कोर्ट ने 4 जनवरी, 2025 को खारिज कर दिया था। आलोक मौर्य की 2009 में पंचायती राज विभाग में सफाई कर्मचारी के तौर पर नियुक्ति हुई थी। इसके बाद, 2010 में ज्योति मौर्य के साथ उनकी शादी हुई थी।

आलोक के मुताबिक, उन्होंने अपनी पत्नी ज्योति मौर्य को पढ़ाने के लिए हर मुमकिन कोशिश की और पूरी मेहनत की। लेकिन जैसे ही ज्योति ने पीसीएस परीक्षा पास की और ज्योति की नियुक्ति एसडीएम के पद पर हुई तो उनकी आलोक और उनके परिवार के लिए नजरिया बदल गया। अब वह तलाक चाहती लेना हैं।

इंदौर नहीं, ये है देश का सबसे साफ शहर... 44वें से तीसरे नंबर पर पहुंची यूपी की ये सिटी

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। केंद्र सरकार ने स्वच्छ सर्वे 2024 की लिस्ट जारी कर दी है। देश का सबसे साफ शहर गुजरात का अहमदाबाद है। वहीं दूसरी नंबर पर मध्य प्रदेश का भोपाल शहर है। जबकि पिछले साल भोपाल पांचवें नंबर पर था। उसने इस बार अपनी जगह सेकंड नंबर पर बना ली।

उत्तर प्रदेश के लखनऊ ने इस सर्वे लिस्ट में कमाल कर दिया है। लखनऊ देश का तीसरा सबसे साफ शहर बना है। जबकि इस शहर का नाम पिछली बार 44वें नंबर पर था। ऐसे में लखनऊ ने सबसे लंबी छलांग लगाई और 41 शहरों को मात देकर तीसरे नंबर आ गया। लखनऊ ने सभी को हैरान कर दिया।

लखनऊ की इस उपलब्धि के पीछे लखनऊ के लोगों का सबसे

बड़ा हाथ है। लोगों में साफ-सफाई को लेकर बढ़ी जागरुकता से ही ये मुमकिन हो पाया है। सालों से जो शहर स्वच्छता के मामले में पिछड़ा हुआ था। अब वह पूरे देश के लिए एक मिसाल बन रहा है।

लखनऊ नगर आयुक्त और टीम ने शहर में सफाई को लेकर कई जागरुकता अभियान चलाए। इसके साथ ही डिजिटल निगरानी की गई। नगर निगम के जन आंदोलन ने लखनऊ की तस्वीर बदल दी और लखनऊ देश के टॉप 3 सबसे साफ शहरों की लिस्ट में शामिल हो गया।

लखनऊ वासियों का मकसद लखनऊ को देश का सबसे साफ शहर बनाना है यानी लखनऊ का नाम टॉप पर लाने की कोशिश है। इसके लिए हर जगह नियमित रूप से सफाई और जागरूकता अभियान लगातार चलाए जाएंगे। इसके साथ ही अगले सर्वे तक और योजनाएं भी शुरू की जाएंगी। अब 17 जुलाई को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू देश के सभी सबसे साफ शहरों को नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में सम्मानित करेंगी। इसके लिए लखनऊ नगर निगम को भी आमंत्रित किया जा चुका है। स्वच्छ सर्वे 2024 लिस्ट की घोषणा भी इसी दौरान की जाएगी।

वरगावां रोड पर जलभराव से राहगीरों को भारी परेशानी

मैगलगंज-खीरी। मैगलगंज कस्बे के रेलवे क्रॉसिंग के पास स्थित वरगावां रोड पर भारी जलभराव की समस्या बनी हुई है। हालत ऐसी है कि यह समझना मुश्किल हो गया है कि सड़क में गड्ढे हैं या गड्ढों में सड़क। यह मार्ग प्रतिदिन हज़ारों राहगीरों, स्कूल जाने वाले बच्चों, अस्पताल आने-जाने वाले मरीजों, बुजुर्गों और वाहनों की आवाजाही का प्रमुख रास्ता है। लेकिन जलभराव और जगह-जगह बने गड्ढों के कारण लोगों को रोज़ाना जान जोखिम में डालकर गुजरना पड़ रहा है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि पीडब्ल्यूडी (लोक निर्माण विभाग) को इस सड़क की मरम्मत करानी चाहिए, लेकिन विभाग के जिम्मेदार अधिकारी मूकदर्शक बने हुए हैं। न तो नालियों की सफाई हो रही है और न ही सड़क की मरम्मत की कोई पहल की जा रही है।

सुहागरात में प्रेग्नेंसी टेस्ट किट देकर दूल्हा बोला- जांच करो, मच गया बवाल, फिर दुल्हन ने जो किया...

आर्यावर्त संवाददाता

रामपुर। उत्तर प्रदेश के रामपुर से हैरान करने वाली घटना सामने आई है। यहां एक गांव में एक नई नवेली दुल्हन को उसके पति ने सुहागरात पर ही प्रेग्नेंसी टेस्ट किट पकड़ा दी। इसके बाद पति और पत्नी में जमकर विवाद हुआ। दुल्हन ने ये बात मायके वालों को बताई तो वो भी भड़क उठे। इसके बाद गांव में ही पंचायत बैठी। फिर दोनों परिवारों ने आपस में बात करके मामले को सुलझा लिया।

बीते शनिवार को पूरे रीति-रिवाज के साथ युवक की शादी हुई थी। शादी के बाद जब दुल्हन ससुराल पहुंची, तो गर्मी और थकावट की वजह से उसे हल्का चक्कर आ गया। यह देख दूल्हा घबरा गया और उसने अपने कुछ दोस्तों से सलाह ली। दोस्तों ने मजाक में कहा कि यह गर्भवती होने का संकेत हो सकता है। इसी बात को गंभीरता से लेते हुए दूल्हा गांव के मेडिकल स्टोर से प्रेग्नेंसी किट ले आया।

पत्नी को टेस्ट किट देकर जांच करने को कहने लगा

रात को जब वह अपनी पत्नी को टेस्ट किट देकर जांच करने को कहने लगा, तो दुल्हन बुरी तरह नाराज हो गई। उसने इसे अपने चरित्र पर सवाल उठाने जैसा माना और तुरंत अपनी भाभी को फोन कर पूरी बात बताई। कुछ ही देर में दुल्हन के परिवारवाले भी ससुराल पहुंच गए, जिसके बाद मामला और बिगड़ गया।

दूल्हे ने मांगी माफी

करीब दो घंटे तक गांव में पंचायत चली। दोनों पक्षों में पहले काफी बहस हुई, लेकिन गांव के वरिष्ठ लोगों ने बीच-बचाव करते हुए मामला शांत कराया। दुल्हन ने साफ तौर पर कहा कि जिस रिश्ते में शुरुआत में ही शक हो, वह आगे नहीं चल सकता। वहीं, दूल्हे ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए माफी मांगी। उसने बताया कि दोस्तों की बातों में आकर उसने बिना सोचे समझे ऐसा कदम उठाया। पंचायत में सभी ने दूल्हे को समझाया और भविष्य में ऐसा न करने की हिदायत दी। अंततः आपसी समझ और माफी के बाद दोनों परिवारों ने मामले को शांतिपूर्वक सुलझा लिया। यह घटना अब पूरे गांव में चर्चा का विषय बनी हुई है।

क्या है 'गर्ल डिनर' ट्रेंड, 2025 में फिर क्यों हो रहा है वायरल?

सोशल मीडिया पर अक्सर नए-नए ट्रेंड चलते रहते हैं। लेकिन कई बार पुराने ट्रेंड भी वापस आ जाते हैं, इसी में से एक पुराना ट्रेंड फिर से वायरल हो रहा है, जिसे कहते हैं गर्ल डिनर। चलिए इस आर्टिकल में जानते हैं कि क्या होता है गर्ल डिनर ट्रेंड, इसके क्या फायदे और नुकसान है और ये फिर से वायरल क्यों हो रहा है।

आज के दौर में फूड कल्चर और इंटरनेट एस्थेटिक्स तेजी से बदलते जा रहे हैं। जहां एक तरफ सोशल मीडिया पर नए-नए ट्रेंड्स सामने आ रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ कुछ पुराने और अनोखे फूड ट्रेंड्स भी दोबारा चर्चा में आने लगे हैं। ऐसा ही एक ट्रेंड है गर्ल डिनर, जो 2025 में फिर से वायरल हो रहा है। ये ट्रेंड टिकटॉक के समय में खूब वायरल हुआ था और इसे खूब पसंद भी किया गया था।

बता दें कि, गर्ल डिनर कोई ट्रेडिशनल रेसिपी नहीं है, बल्कि एक ऐसी प्लेट है जो थोड़े-थोड़े स्नैक्स, चाट-पकवान और कम्फर्ट फूड्स से मिलकर बनती है। जो किसी रेगुलर खाने जैसे नहीं दिखती लेकिन खाने में मजेदार और सेटेसफाइंग लगती है। इसमें न ज्यादा पकाना होता है, न ज्यादा सोचना। बस मनपसंद चीज़ें प्लेट में रखकर खाने का मजा लेना होता है। चलिए इस आर्टिकल में विस्तार से जानते हैं कि गर्ल डिनर ट्रेंड क्या है और अब ये फिर से वायरल क्यों हो रहा है ?

गर्ल डिनर ट्रेंड क्या है?

गर्ल डिनर शब्द की शुरुआत डिजिटल कंटेंट क्रिएटर ओलिविया माहेर ने की थी। उन्होंने मई 2023 में एक टिकटॉक वीडियो में अपने पसंदीदा डिनर को दिखाया, जिसमें ब्रेड, अंगूर, चीज और वाइन का ग्लास शामिल था। यहीं से ये ट्रेंड सोशल मीडिया पर छा गया था। 'गर्ल डिनर' असल में कोई एक खास रेसिपी नहीं है। ये एक खास तरह की खाने की आदत या खुद के लिए बनाई गई प्लेट है, जो ज्यादातर लड़कियां या महिलाएं तब खाती हैं जब उन्हें कुछ हल्का, जल्दी और मनपसंद खाना हो। इसमें कई बार स्नैक्स, थोड़े-थोड़े हिस्से में चीजें, बिना कुकिंग वाला खाना, फ्रिज में रखा बचा हुआ फूड, या केवल अपनी पसंदीदा चीजों का मिक्स होता है।

2025 में क्यों फिर से पॉपुलर हो रहा है गर्ल डिनर ट्रेंड?

2023 में शुरु हुआ ये ट्रेंड 2 साल बाद अब 2025 में इसलिए वायरल हो रहा है क्योंकि आजकल की तेज रफ्तार जिंदगी में लोग ऐसे खाने को पसंद कर रहे हैं जो झटपट तैयार हो जाए, बिना ज्यादा मेहनत के बन सके और खाने में मजेदार भी हो। गर्ल डिनर इसका ही उदाहरण हैं। सोशल मीडिया पर एक बार फिर इसके एस्थेटिक वीडियो वायरल हो रहे हैं, जिससे लोग इसे ट्रेंड की तरह फॉलो करने लगे हैं। खासकर यंग महिलाएं इसे इसलिए पसंद कर रही हैं क्योंकि इसमें खाना बनाने का झंझट नहीं होता और ये एक तरह का सेल्फ केयर भी बन गया है। मतलब अपने लिए कुछ खास, अपनी मर्जी से बनाना और एंजॉय करना। यही वजह है कि 2025 में गर्ल डिनर फिर से चर्चा में आ गया है।

गर्ल डिनर ट्रेंड कितना फायदेमंद हैं?

गर्ल डिनर ट्रेंड कुछ हद तक फायदेमंद हो सकता है, लेकिन ये पूरी तरह से हेल्दी हो, ये जरूरी नहीं। इसका फायदा ये है कि जब खाना बनाने का मन न हो या थकावट हो, तब बिना ज्यादा मेहनत के कुछ हल्का-फुल्का और मनपसंद खा लेने से शरीर और दिमाग को थोड़ा आराम मिल जाता है। ये ट्रेंड मेंटली रिलैक्स करने में मदद करता है और खुद से प्यार जताने का तरीका भी बन सकता है। लेकिन अगर हर दिन सिर्फ स्नैक्स, चिप्स, ब्रेड और प्रोसेस्ड चीजें खाई जाएं, तो इससे पोषण की कमी हो सकती है। इसलिए गर्ल डिनर कभी-कभी के लिए तो ठीक है, लेकिन इसे रोजाना की आदत बना लेना शरीर के लिए नुकसानदायक हो सकता है।

वेट लॉस कर रहे हैं तो ये हेल्दी फैट वाली चीजें खाएं, नहीं बढ़ेगा वजन

शरीर की लंबाई के हिसाब से एक आइडल वजन होना बहुत जरूरी है। इससे ज्यादा के साथ ही कम वजन होना यानी अंडरवेट रहना भी सेहत के लिहाज से सही नहीं होता है। फिलहाल ज्यादातर लोगों को वजन बढ़ा हुआ होने की समस्या होता है। यहां तक कि आज के टाइम में यंगस्टर्स में भी मोटापा देखने को मिलने लगा है और ये कम उम्र में ही कई गंभीर बीमारियों का शिकार बना सकता है। वेट लॉस की जर्नी में फैट्स का रोल बहुत अहम होता है। अक्सर लोगों को लगता है कि डाइट से फैट को पूरी तरह से हटा देना चाहिए, जबकि सभी फैट्स बुरे नहीं होते। कुछ हेल्दी फैट्स जैसे मोनोअनसैचुरेटेड और पॉलीअनसैचुरेटेड फैट्स की शरीर को जरूरत होती है। ये फैट्स आपको अवसाद, हार्ट डिजीज और सूजन (इंफ्लामेशन) जैसी समस्याओं से बचाते हैं। इससे लंबे समय तक पेट भरा महसूस भी होता है, जिससे ओवरईटिंग करने से आप बचे रहते हैं।

आप भी अगर वेट लॉस कर रहे हैं और अपनी डाइट से फैट्स को बिल्कुल हटा दिया है तो एक बार आपको गौर जरूर करना चाहिए। आपको अपनी डाइट से सेचुरेटेड फैट कम करना चाहिए और अनसेचुरेटेड, मोनोसेचुरेटेड, पॉलीअनसेचुरेटेड फैट्स को जगह देनी चाहिए। चलिए जान लेते हैं हेल्दी फैट्स के बारे में जिसे डाइट में शामिल करने से वेट भी कंट्रोल रहेगा और सेहत भी दुरुस्त रहेगी।

इन नट्स का करें सेवन

शरीर को हेल्दी रखने के लिए अगर हम अनसैचुरेटेड फैट की बात करें तो इसमें दो प्रकार होते हैं, मोनोअनसैचुरेटेड और पॉलीअनसेचुरेटेड फैट्स। आपको पॉलीअनसेचुरेटेड फैट चाहिए तो अखरोट, सनफ्लावर सीड्स या इसका प्योर ऑइल, और फ्लैक्सीड्स अपनी डाइट में शामिल करने चाहिए। इससे ओमेगा 6 और ओमेगा 3 फैटी एसिड मिलेंगे साथ ही कई और न्यूट्रिएंट्स भी इनमें होते हैं।

मोनोअनसैचुरेटेड फैट्स के फूड

दिल की सेहत को सही रखने के लिए ये फैट्स बहुत जरूरी माने जाते हैं। इसके लिए आप अपनी डाइट में बादाम शामिल कर सकते हैं। ऑलिव खाए जा सकते हैं और मूंगफली का सेवन भी फायदेमंद रहता है। साथ ही इन चीजों का ऑयल भी आप कुकिंग में यूज कर सकते हैं। इसके अलावा एवोकाडो भी गुट फैट का अच्छा सोर्स है।

चिया सीड्स का करें सेवन'

गुड फैट्स के लिए आप चिया सीड्स को डाइट का हिस्सा बना सकते हैं। इसे पानी में भिगोकर ड्रिंक बना सकते हैं। इसके अलावा चिया सीड्स को सलाद की ड्रेसिंग में, स्मूदी, में यूज किया जा सकता है और कुकीज आदि बनाने में भी ये सीड्स इस्तेमाल कर सकते हैं।

फैटी फिश का सेवन करें

आप हेल्दी फैट्स के लिए फिश का सेवन कर सकते हैं। ये रेड मीट के मुकाबले ज्यादा हेल्दी होती है। इसमें ओमेगा 3 फैटी एसिड काफी अच्छी मात्रा में पाया जाता है। जो दिल के साथ ही आपके ब्रेन और स्किन के लिए भी फायदेमंद है।

सिर्फ शराब ही नहीं, रोज की ये चीजें भी लिवर को चुपचाप कर रही हैं खराब, क्या आपको पता है?

शराब का सेवन लिवर को सबसे ज्यादा प्रभावित करता हुआ देखा गया है। ये न सिर्फ फैटी लिवर की दिक्कतों को बढ़ा देती है साथ ही इसके कारण लिवर कैंसर का भी जोखिम रहता है।

शरीर को स्वस्थ और फिट रखने के लिए लिवर का ठीक तरीके से काम करते रहना आवश्यक माना जाता है। लिवर शरीर में कई महत्वपूर्ण कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह हानिकारक पदार्थों को डिटॉक्सीफाई करने, भोजन से पोषक तत्वों को संसाधित करने, विटामिन और खनिजों का भंडारण करने, पाचन में सहायता के लिए पित्त का उत्पादन करने, रक्त शर्करा के स्तर को विनियमित करने में मदद करता है। हालांकि लाइफस्टाइल और आहार की कुछ गड़बड़ आदतों के कारण इस अंग पर काफी नकारात्मक असर देखा जा रहा है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने पाया कि शराब पीने की आदत इस अंग को सबसे ज्यादा प्रभावित करते हुए देखी गई है। ये न सिर्फ फैटी लिवर की दिक्कतों को बढ़ा देती है साथ ही इसके कारण लिवर कैंसर का भी जोखिम रहता है। जब भी लिवर डैमेज की बात होती है, हम में से ज्यादातर लोगों का ध्यान सीधे शराब पर जाता है। और ये सच भी है कि अधिक शराब पीना लिवर को गंभीर नुकसान पहुंचा सकता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछ और आदतें भी हैं जो शराब जितनी ही हानिकारक साबित हो सकती हैं, बल्कि कुछ मामलों में उससे भी ज्यादा खतरनाक?

लिवर की बढ़ती समस्याएं

अमेरिकन लिवर फाउंडेशन और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की रिपोर्ट्स बताती हैं कि दुनियाभर में लिवर से जुड़ी बीमारियों के 25-30% मामले ऐसे लोगों में पाए जाते हैं जो शराब नहीं पीते। ऐसे लोगों में गड़बड़ खानपान, मोटापा, नींद की कमी और कुछ प्रकार दवाइयों का अत्यधिक सेवन जिम्मेदार हो सकता है। मौजूदा समय में नॉन अल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज की समस्या भी तेजी से बढ़ रही है, और इसकी सबसे बड़ी वजह है हमारी गड़बड़ लाइफस्टाइल। आइए पहले समझते हैं कि शराब हमारे लिवर को कैसे नुकसान पहुंचाती है?

अल्कोहल से लिवर को नुकसान

हर बार जब आपका लिवर अल्कोहल को फिल्टर करता है, तो ये लिवर की कोशिकाओं को क्षति पहुंचाती है। लिवर लगातार नई कोशिकाओं का विकास करता रहता है, लेकिन अक्सर शराब पीने की स्थिति में कोशिकाओं का विकास प्रभावित होने लगता है। इसके परिणामस्वरूप आपके लीवर को गंभीर और स्थायी क्षति हो सकती है। शराब पीने से लिवर में वसा का निर्माण होने लगता जिसके कारण फैटी लिवर रोग हो सकता है। शराब के अलावा भी कई चीजें लिवर की सेहत को प्रभावित करने वाली मानी जाती हैं।

मीठे पेय पदार्थ भी नुकसानदायक

कोल्ड ड्रिंक्स या फिर अधिक मात्रा में मीठे पेय में ऐडेड शुगर होती है, इससे भी लिवर की सेहत को क्षति होने का खतरा बढ़ जाता है। इन पेय के नियमित सेवन से वजन बढ़ने, मधुमेह और फैटी लीवर रोग का जोखिम हो सकता है। मीठे पेय, दीर्घकालिक तौर पर लिवर को नुकसान पहुंचाने वाले हो सकते हैं। सोडा और फलों के पैक्ड जूस में पाई जाने वाली ऐडेड शुगर की उच्च मात्रा से भी फैटी लिवर रोग हो सकता है।

तले हुए खाद्य पदार्थ

अस्वास्थ्यकर वसा वाले खाद्य पदार्थ, जैसे तली हुई चीजों का अधिक सेवन भी फैटी लीवर रोग का कारण बन सकता है। ये फैट लिवर में जमा होने लगती है जिसके कारण समय के साथ लिवर में सूजन और लिवर को क्षति होने का खतरा हो सकता है। तली हुई चीजें सिर्फ लिवर की दिक्कतें ही नहीं बढ़ाती हैं, इनसे ब्लड कोलेस्ट्रॉल बढ़ने का भी जोखिम रहता है।

हाई सोडियम वाले खाद्य पदार्थ

सोडियम की अधिकता वाले खाद्य पदार्थ जैसे डिब्बाबंद सूप, प्रोसेस्ड स्नैक्स और फास्ट फूड्स का अधिक सेवन भी लिवर की क्षति का कारण बन सकते हैं। अत्यधिक सोडियम के सेवन से द्रव असंतुलन भी हो सकता है। ये चीजें रक्तचाप बढ़ा देती हैं जिससे लिवर पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है। लिवर को स्वस्थ रखने के लिए इन चीजों का सेवन कम करें।

फिर लिवर को स्वस्थ कैसे रखा जाए?

कुछ बातों का ध्यान रखकर आप लिवर को स्वस्थ रख सकते हैं। इसके लिए रोजाना 30 मिनट एक्सरसाइज करें।

शरीर को हाइड्रेट बनाए रखें (कम से कम 2.5-3 लीटर पानी)

हरी सब्जियां, फल और ओमेगा-3 रिच चीजें खाएं

शराब, प्रोसेस्ड फूड और मीठे ड्रिंक्स से दूरी बनाएं।

डॉक्टर की सलाह पर साल में 1 बार लिवर फंक्शन टेस्ट (LFT) जरूर कराएं।

क्या आप बनवा सकते हैं आयुष्मान कार्ड? चेक करें पात्रता और कार्ड की लिमिट भी जानें

अगर आपको भी आयुष्मान कार्ड बनवाना है तो पहले अपनी पात्रता जरूर चेक कर लें, ताकि आपको पता चल सके कि आपका आयुष्मान कार्ड बन सकता है या नहीं।

आयुष्मान कार्ड का फायदा

अगर आप आयुष्मान कार्ड बनवा चुके हैं या बनवाने वाले हैं तो जान लें कि इस कार्ड की सालाना लिमिट 5 लाख रुपये होती है। ऐसे में आप इस आयुष्मान कार्ड से हर साल 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज करवा सकते हैं जिसका खर्च सरकार उठाती है।

सरकार कई सारी योजनाओं के जरिए अलग-अलग वर्गों को लाभ देने का काम करती है। आप भी अगर किसी योजना के लिए पात्र हैं तो लाभ ले सकते हैं। जैसे, प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना के जरिए सरकार उन लोगों को मुफ्त इलाज का लाभ देती है जो इस योजना के लिए पात्र होते हैं।

भारत सरकार की इस योजना के तहत आपको मुफ्त इलाज का लाभ मिलता है जिसके लिए पहले पात्र लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाते हैं। अगर आप भी इस योजना के लिए पात्र हैं तो आप आयुष्मान कार्ड बनवाकर लाभ ले सकते हैं। तो चलिए जानते हैं क्या आपका आयुष्मान कार्ड बन सकता है या नहीं। अगली स्लाइड्स में आप पात्रता के बारे में जान सकते हैं और साथ ही ये भी जान सकते हैं कि आयुष्मान कार्ड की लिमिट क्या होती है। चलिए जानते हैं इस बारे में...

कैसे चेक करें पात्रता?

स्टेप 1

अगर आपको आयुष्मान कार्ड बनवाना है तो आपको पहले अपनी पात्रता चेक करनी होती है

इसके लिए आप योजना के इस आधिकारिक लिंक https://pmjay.gov.in/ पर जाना है

आप चाहें तो योजना की आधिकारिक एप पर भी जा सकते हैं

स्टेप 2

इसके बाद आपको यहां पर 'Am I Eligible' वाला ऑप्शन मिलेगा

फिर आपको यहां पर अपना मोबाइल नंबर भरना है

साथ ही आपको बाकी मांगी गई जानकारियां यहां पर भरनी हैं

आयुष्मान कार्ड की लिमिट

अगर आप आयुष्मान कार्ड बनवा लेते हैं तो आप इस कार्ड से मुफ्त इलाज करवा सकते हैं। आयुष्मान कार्ड में आपको सालाना 5 लाख रुपये तक की लिमिट मिलती है यानी कार्डधारक आयुष्मान कार्ड से साल भर में 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज करवा सकता है। इसका खर्च सरकार उठाती है।

इन अस्पतालों में मुफ्त इलाज

आप आयुष्मान कार्ड बनवा चुके हैं तो आप इससे मुफ्त इलाज करवा सकते हैं। ये इलाज उन अस्पताल में होता है जो इस योजना में पंजीकृत हैं। इसमें कई प्राइवेट और सरकारी अस्पताल शामिल हैं। आप योजना के इस आधिकारिक लिंक https://hospitals.pmjay.gov.in/Search / पर जाकर ये चेक कर सकते हैं आपके शहर का कौन सा अस्पताल इस योजना में रजिस्टर्ड है।

ग्राहकों को बड़ा तोहफा : अनलिमिटेड-5 जी वाला सबसे सस्ता प्लान हुआ और भी सस्ता, अब डेटा भी मिलेगा ज्यादा

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की दूसरी सबसे बड़ी टेलीकॉम कंपनी भारती एयरटेल ने अपने 40 करोड़ से ज्यादा प्रीपेड ग्राहकों को एक बड़ा तोहफा दिया है। कंपनी ने अपने एंट्री-लेवल अनलिमिटेड 5त्र डेटा वाले प्रीपेड प्लान को पहले से भी सस्ता बना दिया है, साथ ही उसमें मिलने वाले 4त्र डेटा को भी बढ़ा दिया है।

पहले, एयरटेल के जिस सबसे सस्ते प्लान में अनलिमिटेड 5त्र डेटा मिलता था, उसकी कीमत 379 रुपये थी। लेकिन अब कंपनी ने अपने 349 रुपये वाले प्रीपेड प्लान में ही अनलिमिटेड 5त्र डेटा का कॉम्प्लिमेंट्री बेनिफिट जोड़ दिया है। इससे अनलिमिटेड 5त्र डेटा का शुरुआती प्लान अब 30 रुपये सस्ता हो गया है।

भारती एयरटेल ने अपने लोकप्रिय 349 रुपये वाले प्रीपेड प्लान को पहले से कहीं ज़्यादा आकर्षक बनाते हुए इसे नए फायदों के साथ अपडेट कर दिया है। इस प्लान में अब यूजर्स को अनलिमिटेड 5त्र डेटा का लाभ मिलेगा, जो हाई-स्पीड इंटरनेट का भरपूर अनुभव देगा। इसके अलावा, कंपनी ने डेली 4त्र डेटा कोटा को भी 1.5त्रक्च से बढ़ाकर 2त्रक्च कर दिया है। यह प्लान 28 दिनों की वैलिडिटी के साथ आता है, जिसमें किसी भी नेटवर्क पर अनलिमिटेड वॉयस कॉलिंग और रोज़ 100 स्पूर्स की सुविधा शामिल है। एडिशनल बेनिफिट्स के तौर पर, फ्री हैलोट्यून्स और स्पैम कॉल अलर्ट के साथ अब इसमें एयरटेल एक्सट्रीम ऐप का एक्सेस भी जोड़ दिया गया है, जो इसे डेटा और मनोरंजन का एक बेहतरीन कॉम्बो बनाता है।

कम डेटा यूजर्स के लिए 189 रुपये का नया प्लान लॉन्च

इसके अलावा, एयरटेल ने उन ग्राहकों के लिए एक नया बजट-फ्रेंडली प्लान भी लॉन्च किया है, जिन्हें कॉलिंग की ज्यादा और डेटा की कम जरूरत होती है। 189 रुपये के इस प्लान में 21 दिनों की वैलिडिटी के साथ अनलिमिटेड कॉल्स, कुल 300 स्पूर्स और कुल 1त्रक्च डेटा मिलता है। एयरटेल के इन नए बदलावों को बाजार में अपनी पकड़ और मजबूत करने तथा ज्यादा से ज्यादा ग्राहकों को अपने 5त्र नेटवर्क की ओर आकर्षित करने की एक बड़ी रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है।

डिजिटल तकनीक ने बदल दी भारत की कर प्रणाली, रिफंड में 474% बढ़ोतरी ; अब सिर्फ 17 दिन में मिल रहा पैसा

नई दिल्ली, एजेंसी। डिजिटल तकनीक ने भारत की कर प्रणाली को पूरी तरह बदल दिया है, जिससे कर वापसी (रिफंड) में 474 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। वित्त मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि पिछले दस वर्षों में भारत की कर प्रणाली में बड़ा बदलाव आया है। कर वापसी की रफ्तार कर संग्रह से करीब दोगुनी तेजी से बढ़ी है।

सूत्रों ने बताया कि 2013-14 से 2024-25 के बीच करदाताओं को रिफंड मिला है, उसमें 474 फीसदी की जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। यह राशि 83,008 करोड़ रुपये से बढ़कर 4,76,743 करोड़ रुपये हो गई है।

इसी अवधि में सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह में 24 फीसदी की वृद्धि हुई है, जो 7,21,604 करोड़ रुपये से बढ़कर 27,02,974 करोड़ रुपये हो गई है। सबसे खास बात यह है कि कर वापसी की प्रक्रिया की गति में भी काफी सुधार हुआ है। 2013 में कर वापसी मिलने में औसतन 93 दिन लगते थे, जो 2024 में घटकर केवल 17 दिन रह गए हैं। यह 81 फीसदी की कमी को दर्शाता है, जो डिजिटल आधुनिकीकरण की सफलता का प्रमाण है। इस बदलाव के पीछे कर प्रक्रियाओं का पूरी तरह से डिजिटल होना है। ऑनलाइन फाइलिंग प्रणाली, बिना मुलाकात के असेसमेंट और स्वचालित कर वापसी की प्रक्रिया ने उन पुरानी अड़चनों को खत्म कर दिया है, जो पहले करदाताओं को सेवाओं में देरी का कारण बनती थीं।

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, प्री-फिल्ड रिटर्न, रियल-टाइम टीडीएस समायोजन और ऑनलाइन शिकायत निवारण प्रणाली जैसी डिजिटल तकनीक ने करदाताओं को सेवाएं देने के तरीके को पूरी तरह बदल दिया है।

करदाताओं की संख्या में भी काफी वृद्धि हुई है। 2013 में 3.8 करोड़ आयकर रिटर्न दाखिल किए गए थे, वहीं 2024 में यह संख्या बढ़कर 8.89 करोड़ हो गई है। यह 133 फीसदी की बढ़ोतरी दर्शाती है। रिफंड का अनुपात भी कुल कर संग्रह की तुलना में काफी बढ़ा है। 2013-14 में यह अनुपात 11.5 फीसदी था, जो 2024-25 में बढ़कर 17.6 फीसदी हो गया है। एक वरिष्ठ आयकर अधिकारी ने बताया, रिफंड में यह बढ़ोतरी इस बात का संकेत है कि लोग अब ज्यादा स्वेच्छा से कर का भुगतान कर रहे हैं और अग्रिम कर भुगतान की व्यवस्था भी मजबूत हो रही है।

अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचने में ज्यादा वक्त लगता है या उतरने में? जानिए शुभांशु शुक्ला के मिशन में क्या-क्या हुआ

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारतीय अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष से वापसी का हर कोई बेसब्री से इंतजार कर रहा है। धरती पर आने से पहले उन्होंने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) से मैसेज दिया है। उन्होंने भारत को महत्वाकांक्षी, निडर, आत्मविश्वासी बताया है। साथ ही साथ कहा है कि भारत गौरवान्वित दिखता है। दरअसल, आईएसएस में ढाई सप्ताह बिताने के बाद आज शुभांशु धरती की यात्रा के लिए रवाना होंगे।

ग्रुप कैप्टन शुक्ला ने स्पेस स्टेशन के अपने फेयरवेल में कहा, 'इकतालीस साल पहले, एक भारतीय अंतरिक्ष यात्री अंतरिक्ष में गया था और उसने यह भी बताया था कि ऊपर से भारत कैसा दिखता है और आप सभी जानना चाहते हैं कि यहां से भारत कैसा दिखता है। मैं आपको बता दूं, अंतरिक्ष से आज का भारत महत्वाकांक्षी, निडर, आत्मविश्वासी और गौरवान्वित दिखता है। इन्हीं कारणों से मैं आपसे फिर कह रहा हूं, आज का भारत अभी भी दुनिया में सबसे अच्छा दिखता है। आइए जल्द ही धरती पर मिलते हैं।'

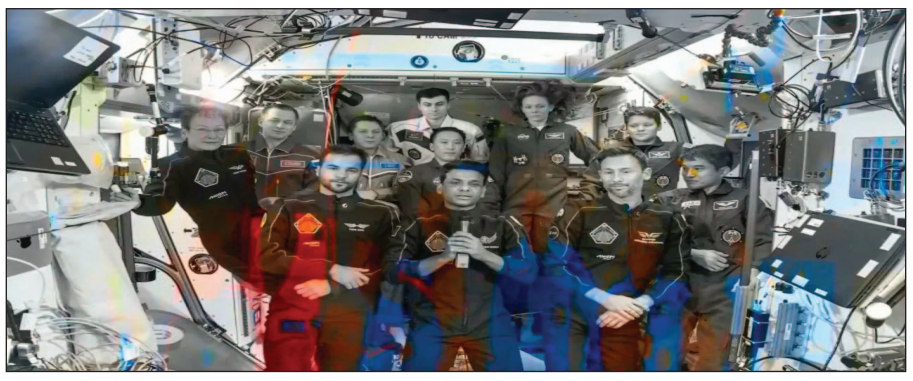

'ISS में दुनिया के समान लक्ष्य के लिए करते हैं काम'

उन्होंने कहा, 'आईएसएस में ये उनके लिए एक अविश्वसनीय यात्रा रही। उनकी यात्रा अब खत्म होने वाली है, लेकिन आपकी और मेरी यात्रा अभी जारी है। हमारे मानव अंतरिक्ष मिशन की यात्रा लंबी और कठिन भी है, लेकिन मैं विश्वास दिला सकता हूं कि अगर हम दृढ़ निश्चयी हों, तो तारों को भी छूना संभव है।' स्पेस स्टेशन में साथी अंतरिक्ष यात्रियों का धन्यवाद करते हुए उन्होंने कहा कि इन साथियों ने उनके और Axiom Mission 4 (Ax4) के क्रू मेंबर्स के यहां रुकने को स्पेशल बना दिया।

ग्रुप कैप्टन शुक्ला ने कहा, 'पिछले ढाई हफ्तों में हमने स्टेशन पर काफी वैज्ञानिक अध्ययन किया है। इस दौरान आउटरीच एक्टिविटीज की हैं और जब भी समय मिलता है पृथ्वी की ओर देखा है। यह मुझे लगभग जादुई लगता है। इन मिशनों के विज्ञान से परे बहुत दूरगामी प्रभाव हैं और मेरा यही मानना है। यहां से लौटते हुए मैंने अपने साथ बहुत सारी यादें एकत्रित की हैं, लेकिन एक बात जो मुझे हमेशा याद रहेगी वह यह है कि जब हम सभी दुनिया के तमाम हिस्सों से एक साथ आते हैं और एक समान लक्ष्य के लिए काम करते हैं, तो मानवता क्या कर सकती है।'

ड्रैगन धरती पर आने में कितना समय लगेगा

एक्स-4 मिशन के पायलट ग्रुप कैप्टन शुक्ला तीन अन्य क्रू मेंबर्स के साथ स्टेशन के हार्मनी मॉड्यूल के आगे वाले पोर्ट से शाम 4.135 बजे (IST) अनडॉक करेंगे। एक्स-4 क्रू स्पेसएक्स ड्रैगन पर सवार होकर अपनी घर वापसी की यात्रा शुरू करेगा, जहां वह कैलिफोर्निया के तट पर स्प्लेशडाउन करेगा। धरती पर वापसी की यात्रा में लगभग 22.15 घंटे का समय लगेगा। अनडॉक करने के बाद कई ऑरबिटल प्रक्रियाओं से ड्रैगन गुजरेगा। उसके 15 जुलाई (IST) को दोपहर 3 बजे स्प्लेशडाउन होने की उम्मीद है। स्प्लेशडाउन के बाद शुक्ला धरती के ग्रेविटी के अनुकूल होने के लिए फ्लाइट सर्जनों की देखरेख में लगभग एक सप्ताह तक पुनर्वास कार्यक्रम से गुजरेंगे। वहीं, ग्रुप कैप्टन शुक्ला को आईएसएस पर पहुंचने में करीब 28 घंटे का समय लगा था।

ग्रुप कैप्टन शुक्ला ने मिशन में क्या किया?

ग्रुप कैप्टन शुक्ला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन जाने वाले पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री है और पिछले 41 वर्षों में अंतरिक्ष में पहुंचने वाले पहले भारतीय बने। उन्होंने ISS में 14 दिन बिताने थे। हालांकि, उनका स्टे कुछ दिनों के लिए बढ़ाया गया। ऑर्बिटिंग लेबोरेटरी में अपने स्टे के दौरान उन्होंने नेशनल आरएंडडी लेबोरेटरी और एकेडमिक इंस्टीट्यूशन की ओर से प्रस्तावित कई माइक्रोग्रैविटी रिसर्च एक्सपेरिमेंट किए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी बात की और हैम रेडियो के जरिए से स्वदेश में छात्र समुदाय के साथ कुछ संवाद भी किए। एक्स-4 रिसर्च कॉम्प्लीमेंट में अमेरिका, भारत, पोलैंड, हंगरी, सऊदी अरब, ब्राज़ील, नाइजीरिया, संयुक्त अरब अमीरात और यूरोप के देशों सहित 31 देशों का प्रतिनिधित्व करने वाली लगभग 60 साइंटफिक स्टडीज और एक्टिविटीज शामिल हैं।

निमिषा प्रिया ही नहीं, इतने भारतीयों पर दुनिया की जेलों में लटक रही सजा-ए-मौत की तलवार

यमन। यमन में फांसी की सजा पाने वाली भारतीय नर्स निमिषा को फांसी होने में दो दिन से कम का समय बचा है। उनको बचाने के लिए कई प्रयास किए जा रहे हैं, जिसमें परिवार को ब्लड मनी देने का प्रस्ताव भी रखा गया है। केरल के पलक्कड़ जिले की 38 साल की नर्स निमिषा प्रिया को 2017 में अपने यमनी बिजनेस पार्टनर की हत्या का दोषी ठहराया गया था।

निमिषा को 2020 में मौत की सजा सुनाई गई और 2023 में उनकी अंतिम अपील खारिज कर दिया गया। उन्हें 16 जून का फांसी दी जाएगी। निमिषा का कोई अकेला मामला नहीं ऐसे कई भारतीय हैं, जिनको विदेशों में फांसी की सजा सुनाई गई है। इसको लेकर MEA से सवाल किया गया था कि ऐसे कितने भारतीय हैं, जो खाड़ी देशों की जेलों में बंद है और

उन्हें मौत की सजा दी गई है।

विदेशों में भारतीयों को मृत्युदंड

विदेश मंत्रालय ने जानकारी देते हुए कहा कि विदेशी अदालतों द्वारा मौत की सजा पाए भारतीय नागरिकों की संख्या 54 है। जिसमें कुवैत, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं। सबसे ज्यादा UAE में 29 भारतीय को फांसी की सजा दी गई है, उसके बाद सऊदी में 12 भारतीय को, कुवैत में 3 और कतर में एक भारतीय को सजा-ए-मौत सुनाई गई है।

क्या निमिषा की रुक पाएगी फांसी?

निमिषा की फांसी को रोकने के लिए प्रयास लगातार जारी है। निमिषा के परिवार ने सुप्रीम कोर्ट से अपील की है कि वह ब्लड मनी को मंजूरी दे, ताकि पीड़ित परिवार को पैसे देकर, निमिषा की सजा माफ करा ली जाए। इसके लिए निमिषा के परिवार ने 10 लाख डॉलर का प्रस्ताव रखा है।

वहीं केरल के CM पिनराई विजयन ने पीएम मोदी को पत्र लिखकर केरल की नर्स निमिषा की जान बचाने के लिए तुरंत हस्तक्षेप करने का आग्रह किया। हालांकि विदेश मंत्रालय की ओर से निमिषा मामले में सभी पहलुओं के जरिए बचाव की कोशिश जारी है।

अमेरिका-इजराइल नहीं, रूस की वजह से ईरान नहीं बना पाएगा परमाणु हथियार

तेहरान। ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर ग्रहण लगता दिख रहा है। एक तरफ जहां अमेरिका और इजराइल ईरान से यूरेनियम संवर्धन शून्य करने के लिए दबाव बना रहा है। वहीं दूसरी तरफ रूस ने भी उसे ऐसा ही करने के लिए कहा है। रूस का कहना है कि ईरान के लिए इससे बेहतर ऑप्शन नहीं है।

न्यूज आउटलेट एक्सियोस ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि व्लादिमीर पुतिन ने ईरान को यूरेनियम को लेकर शून्य संवर्धन का संदेश भेज दिया है। रूस का कहना है कि इस वक्त इससे बेहतर विकल्प नहीं है, इसलिए अमेरिका के कहने पर तुरंत परमाणु डील कर लें। हालांकि रूस के विदेश मंत्रालय का कहना है कि यह रिपोर्ट सही नहीं है। हम पूरे विवाद को कूटनीतिक तौर पर सुलझाने की कवायद पर जोर दे रहे हैं।

जून में 12 दिनों के जंग में अमेरिका ने ईरान के 3 न्यूक्लियर ठिकानों पर बी-2 बम बरसाए थे। इसके बावजूद ईरान ने न्यूक्लियर संवर्धन का काम जारी रखने की घोषणा कर दी। ईरान का कहना है कि उसके वैज्ञानिक भले मार दिए गए। उसके यूरेनियम को भले बर्बाद कर दिए गए लेकिन उसका परमाणु कार्यक्रम नहीं रुकेगा। अमेरिका ने ईरान से वार्ता की मेज पर वापस आने के लिए कहा है। नॉर्वे की राजधानी ओस्लो को इसके लिए चुना गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्टीव विटकॉफ को वार्ताकार नियुक्ति किया है। ईरान की तरफ से अब्बास अराघाची बैठक में मौजूद रह सकते हैं।

अमेरिका और ईरान के बीच बैठक से पहले रूस ने यूटर्न ले लिया है। इसे ईरान के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। ईरान का कहना है वो परमाणु तो नहीं बनाएगा, लेकिन यूरेनियम संवर्धन को भी शून्य नहीं करेगा। ऐसे में रूस ने जिस तरीके से यूटर्न ले लिया है। वो ईरान के लिए झटका है, क्यों? इसे डिटेल में जानते हैं-

1। रूस ईरान का सबसे बड़ा सहयोगी है। रूस जब यूक्रेन युद्ध में फंसा तो ईरान ने उसे शाहेद ड्रोन दिया, जो सबसे घातक माना जाता है। दोनों मुल्कों के बीच में रक्षा को लेकर कई अहम समझौते हुए हैं। ईरान के परमाणु हथियार को लेकर रूस हमेशा समर्थन में रहा है।

2। रूस के वैज्ञानिक ईरान को यूरेनियम संवर्धन को लेकर मदद कर रहे थे। यह खुलासा तब हुआ था, जब इजराइल ने ईरान पर अटैक किया। उस वक्त व्लादिमीर पुतिन ने बयान जारी कर कहा कि ईरान के न्यूक्लियर प्लांट में हमारे लोग हैं। उन्हें हम सुरक्षित निकाल रहे हैं।

पहलगाम में हमला सुरक्षा चूक थी... एलजी मनोज सिन्हा बोले- मैं जिम्मेदारी लेता हूं

जम्मू। मनोज सिन्हा को जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल के तौर पर सेवा देते हुए पांच वर्ष पूरे हो गए हैं। उन्होंने अपने एक इंटरव्यू में पहलगाम हमले पर खुलकर बात की। सिन्हा ने पहलगाम हमले की पूरी जिम्मेदारी लेते हुए कहा कि ये सुरक्षा में भारी चूक थी। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों ने यह हमला पर्यटकों पर नहीं बल्कि भारत की आत्मा पर किया है।

मनोज सिन्हा ने पहलगाम हमले को लेकर अपने इंटरव्यू में कहा कि मैं इस घटना की पूरी जिम्मेदारी लेता हूं, क्योंकि यह वास्तव में एक सुरक्षा चूक थी। उन्होंने कहा कि जिस जगह हमला हुआ वह खुला मैदान था और वहां सुरक्षा बलों के लिए कोई सुविधा या जगह नहीं है। इसलिए वहां सुरक्षा बलों की तैनाती भी नहीं है।

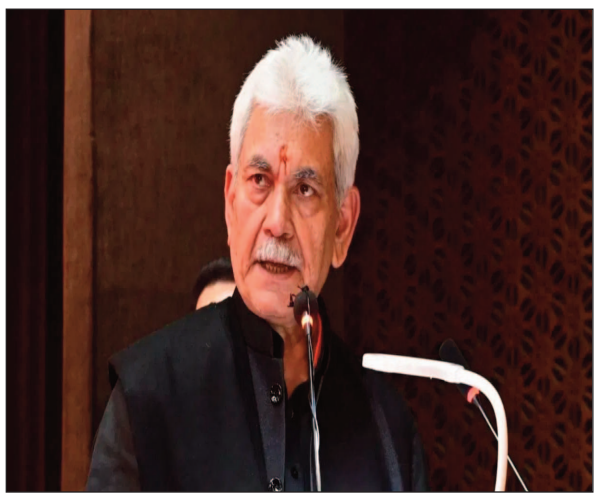

पर्यटकों को नहीं बनाते थे निशाना

सिन्हा ने कहा कि यहां को लेकर लोगों की यही धारणा रही है कि आतंकवादी पर्यटकों को निशाना नहीं बनाते हैं। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों ने यह हमला राष्ट्र की आत्मा पर जानबूझकर किया था। सिन्हा ने कहा कि अत्यधिक पर्यटकों के आवागमन से राज्य आर्थिक रूप से मजबूत हो रहा था। यहा की अर्थव्यवस्था पहले से दोगुनी हो गई थी। इस हमले का एक प्रमुख उद्देश्य राज्य की अर्थव्यवस्था पर गंभीर चोट मारना था। उन्होंने बताया कि इस हमले का एक अन्य उद्देश्य देश भर के अन्य हिस्सों में रहने वाले लोगों को जम्मू-कश्मीर के खिलाफ भड़काना था और देशभर में सांप्रदायिक विभाजन पैदा करना था, जिससे अलगाव की भावना और बढ़े। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान नहीं चाहता कि जम्मू-कश्मीर समृद्ध हो।

स्थानीय लोगों की संलिप्तता पर बोले सिन्हा

मनोज सिन्हा ने कहा कि एनआईए ने खुलासा किया कि इस हमले में कई स्थानीय लोगों की संलिप्तता थी। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों की संलिप्तता का मतलब यह नहीं है कि पूरा राज्य ही खराब है और यहां का सुरक्षा वातावरण दूषित हो गया है। उन्होंने कहा कि अगर देखा जाए तो इस स्थिति में भी काफी सुधार हुआ है। उन्होंने बताया कि इस बार एक व्यक्ति की संलिप्तता पाई गई है, जबकि पिछले साल ये संख्या 6-7 थी और एक समय इसका संख्या 100 से भी अधिक हुआ करती थी। सिन्हा ने कहा लेकिन ये बात भी सच है कि पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर राज्य में बड़ी संख्या में आतंकियों की घुसपैठ कराई है।

'भारत अब आतंकी हमला बर्दाश्त नहीं करेगा'

उन्होंने कहा कि भारतीय सेना की तरफ से किए गए ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान के लिए लाल रेखा खींच दी है। उन्होंने कहा हमारी सेना ने उनके घर में घुसकर उनके एयरबेस तबाह कर दिए और पाकिस्तान को स्पष्ट चेतावनी दी है कि किसी भी आतंकी हमले को स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने कहा लेकिन पाकिस्तान एक ऐसा देश है जिसके ऊपर कभी विश्वास नहीं किया जा सकता है। सिन्हा ने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि गृह मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय और हमारी खुफिया एजेंसियां पाकिस्तान पर पैनी नजर बनाए हुए है। लेकिन यह सच है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद जम्मू-कश्मीर में कोई भी आतंकी गतिविधि नहीं हुई है।

अमरनाथ यात्रा की वजह से अधिक संख्या में आ सकते है पर्यटक

उपराज्यपाल ने बताया कि पहलगाम हमले के बाद जम्मू-कश्मीर में पर्यटकों की संख्या में भारी मात्रा में गिरावट आई है। उन्होंने कहा मुझे ऐसा लगता है कि अमरनाथ यात्रा इसके लिए नया मोड़ साबित होगा। अमरनाथ यात्रा की वजह से भारी संख्या में पर्यटक जम्मू-कश्मीर आ सकते हैं। सिन्हा ने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखकर कई सभी जगहों को यात्रियों के लिए खोल दिया गया है।

पवन खेड़ा ने सरकार पर साधा निशाना

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने मनोज सिन्हा के बयान को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। खेड़ा ने कहा कि आखिरकार उन्होंने हमले के 82 दिन बाद पहलगाम हमले की ज़िम्मेदारी ले ली। उन्होंने कहा कि ऐसा करके वो दिल्ली में किसकी रक्षा कर रहे हैं? इसके आगे खेड़ा ने कहा कि कितने दिन, हफ्ते, महीने लगेंगे जब उन्हें जिम्मेदार ठहराया जाएगा। इस जिम्मेदारी को लेने के बाद उन्हें इस्तीफा देना होगा या बर्खास्त होना होगा?

पत्नी की बातचीत को रिकॉर्ड करना प्राइवेसी का है उल्लंघन? सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया ये फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसला सुनाते हुए पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के उस निर्णय को खारिज कर दिया है जिसमें कहा गया था कि पत्नी की टेलीफोन पर की गई बातचीत को उसकी सहमति या जानकारी के बिना रिकॉर्ड करना उसके निजता के अधिकार का उल्लंघन माना जाएगा, और इस तरह की रिकॉर्डिंग को पारिवारिक अदालत में साक्ष्य के रूप में मान्यता नहीं दी जा सकती. न्यायमूर्ति बी.वी। नागरत्ना और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की खंडपीठ ने स्पष्ट किया है कि पति-पत्नी के बीच गुप्त रूप से रिकॉर्ड की गई टेलीफोन पर हुई बातचीत को वैवाहिक विवादों में सबूत के रूप में स्वीकार किया जा सकता है।

न्यायालय ने यह स्पष्ट किया कि इस मामले में निजता के अधिकार का कोई उल्लंघन नहीं हुआ है। साक्ष्य अधिनियम की धारा 122 इस प्रकार

के किसी निजता अधिकार को मान्यता नहीं देती; बल्कि, यह प्रावधान पति-पत्नी के बीच गोपनीयता के अधिकार को अपवाद के रूप में देखता है। और इसलिए इसे लागू नहीं किया जा सकता। पीठ ने यह भी बताया कि यह अनुच्छेद 21 के अंदर निजता के अधिकार को नहीं छूती है। ऐसे किसी अधिकार का कोई हनन नही हुआ। यह व्यक्ति को निष्पक्ष सुनवाई, प्रासंगिक सबूत सामने लाने, पति या पत्नी के विरुद्ध अपना पक्ष प्रभावी रूप से रखने और आवश्यक राहत प्राप्त करने के अधिकार को सुनिश्चित करता है

कोर्ट ने तर्क दिया कि ऐसे सबूतों को अगर अनुमति दे दी तो घरेलू सौहार्द पर संकट खड़ा हो जाएगा। इससे पति और पत्नी के बीच जासूसी को भी बढ़ावा मिल सकता है। जिसकी वजह से साक्ष्य अधिनियम की धारा 122 का उद्देश्य फेल हो जाएगा, और अगर पति-पत्नी का रिश्ता इस कगार पर पहुंच गया है जहां वो एक दूसरे की जासूसी कर रहें हैं, तो यह अपने आप में ही एक टूटे हुए रिश्ते का संकेत है। यह एक दूसरे के प्रति कमजोर पड़ते विश्वास को दिखाता है। यह मामला एक विशेष अनुमति याचिका जो पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के उस निर्णय को चुनौती देती है, जिसमें यह माना गया कि पत्नी की बिना जानकारी के उसकी टेलीफोन पर हुई बातचीत को रिकॉर्ड करना उसके मौलिक अधिकार विशेष रूप से उसकी निजता के अधिकार का उल्लंघन करता है।

बैराबी–सैरांग रेल लाइन का काम पूरा, आजादी के 77 साल बाद दिल्ली से आइजोल तक ट्रेन

नई दिल्ली, एजेंसी। आजादी के 77 सालों बाद मिजोरम की राजधानी आइजोल भारतीय रेलवे के नक्शे पर आ गई है। रेलवे ने बैराबी-सैरांग रेल लाइन का काम पूरा कर लिया है। साल 2014 के नवंबर महीने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस रेल लाइन की आधारशिला रखी थी। हालांकि इस प्रोजेक्ट की परिकल्पना साल 2008 में की गई थी, लेकिन इसको गति साल 2014 में मिली। इस परियोजना पर करीब 5022 करोड़ रुपये की लागत आई। अधिकारियों के अनुसार, अब सीधे देश की राजधानी से आइजोल तक ट्रेन दौड़ती नजर आएगी। बैराबी-सैरांग रेल लाइन लगभग 51.38 किलोमीटर लंबी है। ये रेल लाइन असम के सिलचर से आइजोल तक की यात्रा के लिए सुविधाजनक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जल्द ही बैराबी-सैरांग रेल लाइन का उद्घाटन किया जाएगा। मिजोरम में अब तक सिर्फ बैरवी ही भारतीय रेल से जुड़ा था, लेकिन अब आइजोल भी भारतीय रेल से जुड़ गया है, जिससे राज्य में रेल नेटवर्क का सपना पूरा हो गया।

दिव्या अग्रवाल ने दिए किलर पोज, इंस्टाग्राम पर शेयर की ग्लैमरस तस्वीरें

टीवी और वेब सीरीज़ की पॉपुलर एक्ट्रेस दिव्या अग्रवाल ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट से सोशल मीडिया पर सनसनी मचा दी है. दिव्या ने कुछ बेहद स्टाइलिश और बोल्ड तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं, जिनमें वो मल्टीकलर कट-आउट ड्रेस में कातिलाना अंदाज में पोज देती नजर आ रही हैं। अपने पोस्ट में दिव्या ने लिखा, मैं आपको कुछ बेहतरीन क्लिक्स से भर दूँगा! इन फोटोज में दिव्या का कॉन्फिडेंट एक्सप्रेशन, परफेक्ट मेकअप और खुले बाल उनके लुक को और भी ग्लैमरस बना रहे हैं। उनके इस अंदाज को देखकर फैंस लगातार तारीफ कर रहे हैं। किसी ने उन्हें गॉर्जियस कहा तो किसी ने सुपर हॉट बताते हुए कमेंट्स में फायर और हार्ट इमोजी की बारिश कर दी।

दिव्या अग्रवाल का यह लेटेस्ट फोटोशूट इस बात का सबूत है कि वह सिर्फ एक टैलेंटेड एक्ट्रेस ही नहीं बल्कि एक फैशन आइकन भी हैं, जो हर बार अपने नए अंदाज से फैंस को इंप्रेस कर देती हैं। उनके फोटोज कुछ ही घंटों में हजारों लाइक्स बटोर चुके हैं और तेजी से वायरल हो रहे हैं।

दिव्या के इस ग्लैमरस अवतार से साफ है कि वह न सिर्फ अपने प्रोजेक्ट्स से बल्कि अपने स्टाइलिश लुक्स से भी लाइमलाइट में रहना अच्छे से जानती हैं। फैंस को अब उनकी अगली पोस्ट और अपकमिंग वेब सीरीज़ का बेसब्री से इंतजार है।

बॉर्डर 2 से सनी देओल की पहली झलक आई सामने, लिखा– मिशन पूरा हुआ

निर्देशक जे पी दत्ता की ब्लॉकबस्टर फिल्म बॉर्डर का सीक्वल बॉर्डर 2 जल्द ही आने वाला है। आज फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रहे सनी देओल ने बॉर्डर 2 से अपना फौजी लुक सोशल मीडिया पर शेयर किया और साथ ही फिल्म को लेकर एक अहम जानकारी भी शेयर की है। इस खुशखबरी को सुनकर सनी के फैंस जरूर खुश हो जाएंगे।

सनी देओल ने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म बॉर्डर 2 को लेकर एक खास पोस्ट शेयर कर अपने फैंस को खुश कर दिया है। सनी ने इंस्टाग्राम पर फिल्म से अपना फौजी लुक शेयर किया और साथ ही कैप्शन में लिखा, मिशन पूरा हुआ। फौजी, विदा लेता हूं! प्तबॉर्डर2 के लिए मेरी शूटिंग पूरी हुई। जय हिंद!

एक्ट्रेस सिमरत कौर ने लिखा, जय हिंद, एक फैन ने लिखा, बहुत खूब..., एक और फैन ने लिखा, जय श्री राम, एक और फैन ने लिखा, सनी देओल सर हमेशा दिल को छू लेने वाले दिग्गज अभिनेता हैं, एक और फैन ने लिखा, शानदार.., एक और फैन ने लिखा, सर आप एक सच्चे हीरो लगते हैं, एक और फैन ने लिखा, इंतजार नहीं कर सकता सर-जय हिंद, एक और फैन ने लिखा, अब रिलीज का इंतजार है।

बॉर्डर 2 का निर्देशन अनुराग सिंह ने किया है। बॉर्डर 2 फिल्म में सनी देओल, दिलजीत दोसांझ, अहान शेट्टी, और वरुण धवन जैसे कलाकार नजर आएंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार फिल्म बॉर्डर 2, 23 जनवरी 2026 को रिलीज हो सकती है। फिल्म में वरुण धवन परमवीर चक्र विजेता मेजर होशियार सिंह दहिया की भूमिका निभाएंगे।

महावतार नरसिम्हा के ट्रेलर में भगवान विष्णु का प्रचंड अवतार, रोंगटे खड़े कर देगा हिरण्यकश्यप का संहार

होम्बले फिल्म्स की महावतार सिनेमैटिक यूनिवर्स (एमसीयू) की बहुप्रतीक्षित फिल्म महावतार नरसिम्हा का ट्रेलर रिलीज हो गया है. महावतार नरसिम्हा का निर्देशन अश्विन कुमार ने किया है और इसका निर्माण शिल्पा धवन, कुशाल देसाई और चैतन्य देसाई ने क्लीम प्रोडक्शंस के बैनर तले और होम्बले फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत किया है।

अश्विन कुमार की एनिमेटेड महाकाव्य महावतार नरसिम्हा का ट्रेलर रिलीज हो गया है। अश्विन कुमार निर्देशित यह फिल्म राक्षस हिरण्यकश्यप की कहानी है, जो भगवान विष्णु से बदला लेना चाहता है और खुद को भगवान घोषित कर देता है। हालांकि, उसका पुत्र प्रह्लाद भगवान विष्णु का बहुत बड़ा भक्त होता है।

मेकर्स ने महावतार नरसिम्हा के ट्रेलर को 5 भाषाओं में लॉन्च किया है। इसे सोशल मीडिया पर साझा करते हुए लिखा है, दिव्य दहाड़ आ गई है। महावतार नरसिम्हा ट्रेलर आउट। 25 जुलाई 2025 को तूफान के लिए तैयार रहें, केवल सिनेमाघरों में, 3 डी में।

ट्रेलर की शुरुआत भगवान विष्णु के कट्टर शत्रु और राक्षस राज हिरण्यकश्यप की एक प्रभावशाली झलक से होती है, जो भगवान ब्रह्मा को प्रसन्न करने के लिए घोर तपस्या करता है। अंततः उसे भगवान ब्रह्मा से एक वरदान प्राप्त होता है, जिससे उसका आतंक और भी बढ़ जाता है। इसी बीच उसे उसके ही महल के भीतर से चुनौती मिलती है, जब उसका पुत्र प्रह्लाद भगवान विष्णु का अटूट भक्त बनकर उभरता है।यह कहानी भगवान विष्णु के एक समर्पित भक्त प्रह्लाद के इर्द-गिर्द घूमती है। अत्याचार का अंत करने और धर्म की पुनर्स्थापना के लिए भगवान विष्णु अपने प्रचंड नरसिंह अवतार में आते हैं।

होम्बले फिल्म्स और क्लेम प्रोडक्शंस नेहाल ही में महावतार सिनेमैटिक यूनिवर्स (एमसीयू) एनिमेटेड फिल्मों का अनावरण किया है। मेकर्स 12 सालों में 7 एनिमेटेड फिल्में बनाएंगे, जो भगवान विष्णु के दस दिव्य अवतारों का वर्णन करेगा।

अश्विन कुमार की निर्देशित और शिल्पा धवन, कुशाल देसाई और चैतन्य देसाई द्वारा निर्मित महावतार नरसिम्हा 3डी फॉर्मेट में 25 जुलाई, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह फिल्म हिंदी, तेलुगु, तमिल, मलयालम और कन्नड़ भाषा में रिलीज होगी।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com